राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 12 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-52 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बिहार में सीएम हाउस घेरने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका, हुई झड़प

**-पुलिस ने कन्हैया समेत कई को हिरासत में लिया, सचिन पायलट वापस लौटे**

पटना। बिहार में सीएम हाउस का घेराव करने निकले कांग्रेसियों का प्रदर्शन महज एक घंटे में ही खत्म हो गया। सीएम से 3 किमी पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में नोकझोंक भी हुई। इस दौरान भीड़ पर वाटर कैनन मारकर कंट्रोल किया। इधर, प्रदर्शन में शामिल राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट कुछ दूर चलकर वापस लौट गए। कन्हैया कुमार और यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कन्हैया कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी सीएम नीतीश से मुलाकात करना चाहते थे। कन्हैया ने 26 दिनों तक बिहार की यात्रा की, जो 10 अप्रैल को खत्म हुई। यात्रा के दौरान कन्हैया को आम लोगों से कई शिकायतें दीं। इसी सिलसिले में वे सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करना चाहते थे। कन्हैया कुमार ने पलायन रोक, नौकरी दो के नारे के साथ 26 दिनों तक पदयात्रा निकाली है। 7 अप्रैल को राहुल गांधी भी बेगूसराय में कन्हैया की यात्रा में शामिल हुए थे। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पलायन बिहार की मुख्य समस्या है। नीतीश सरकार ने युवाओं के लिए क्या किया। कोई रोजगार नहीं है। सरकार को चिंता नहीं है। सोती हुई सरकार को उठाने का काम करेंगे। मुझे नहीं पता सरकार हमारी सुनेगी या नहीं। 8 करोड़ युवाओं ने इस बार बदलाव का मन बना लिया है। आगामी चुनाव में बिहार में बदलाव की लहर नजर आएगी।

## राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछा सवाल

**रोजगार प्रोत्साहन योजना क्या एक और जुमला है?**

नई दिल्ली ।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को रोजगार प्रोत्साहन योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी रोज नए नारे गढ़ते हैं, लेकिन युवा अब भी वास्तविक अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। क्या यह एक और जुमला है?

एक्स पर पोस्ट में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पीएम मोदी ने जोर-शोर से रोजगार प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी। इसमें युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना की घोषणा किए लगभग एक साल हो गया है। मगर सरकार ने इस पर अब तक कुछ नहीं किया। योजना के लिए आवंटित किए गए 10,000 करोड़ रुपये भी वापस कर दिए गए हैं। इससे साफ है कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी को लेकर कितने गंभीर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यापार की बजाय मित्र राष्ट्रों को बढ़ावा देकर, उत्पादन की बजाय असेंबली को प्राथमिकता देकर और भारत के स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकतीं। करोड़ों नौकरियां सृजित करने का तरीका एमएसएमई में बड़े पैमाने पर निवेश, निष्पक्ष बाजार, स्थानीय उत्पादन नेटवर्क को समर्थन और सही कौशल वाले युवा ही हैं।

## नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भड़के बीजेपी नेता सुनील शर्मा, यह जामा मस्जिद नहीं है, जहां धार्मिक नारे लगाए जाए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जमकर हुए हंगामे से राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। जहां भारतीय जनता पार्टी ने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस पर सदन की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाकर कहा कि विधानसभा को चरमपंथी विचारधारा के मंच में बदलने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगर विधानसभा में इसतरह के नारे लगाए जाते हैं, तब राज्य का दर्जा भी बहाल नहीं किया जाना चाहिए। विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने सदन में लगे नारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर क्षेत्र में कहीं अलगाववाद या आतंकवाद की कोई जड़ें बची हैं, तब हम चाहते हैं कि उन्हें भी पूरी तरह से उखाड़ दें और उसके बाद ही राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। शर्मा ने कहा,हम किसी भी कीमत पर राज्य का दर्जा बहाल करने के पक्ष में नहीं हैं। अगर राज्य का दर्जा बहाल करने का मतलब यह है कि फिर से ऐसा माहौल बने जहां नेकां के वरिष्ठ नेता पाकिस्तान से बातचीत की बात करें और 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' जैसे नारे लगाए जाएं, तब हम इसके पक्ष में नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह जामा मस्जिद नहीं है, जहां इस तरह के धार्मिक नारे लगाए जाएं। यह विधानसभा है, जहां लोगों के मुद्दों पर चर्चा होती है और समाधान ढूंढे जाते हैं।

# विकास के साथ-साथ विरासत' के मंत्र के साथ नया भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है : पीएम श्री मोदी

*- हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है, जब भी हमारा समाज किसी कठिन दौर से गुजरता है, तो कोई न कोई ऋषि या संत इस भूमि पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है*

**वाराणसी (एजेंसी)।** विरोधी दलों पर परोक्ष रुप से परिवारवाद का पोषक होने का आरोप लगाते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दस वर्षों में दुनिया में देश की पहचान बदली है और आज का भारत विकास और विरासत को साथ लेकर चल रहा है।

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से पूर्वांचल के लिये 3,900 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद श्री मोदी ने राजा के तालाब के मेहंदीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा, 'महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे त्यागी, तपस्वी, महापुरुषों की प्रेरणा से ही देशसेवा का हमारा मंत्र रहा है, सबका साथ-सबका विकास। हम देश के लिए उस विचार को लेकर चलते हैं, जिसका समर्पित भाव है, सबका साथ-सबका विकास। जो लोग सत्ता हथियाने के लिए दिन रात-खेल खेलते रहते हैं, उनका सिद्धांत है, परिवार का साथ-परिवार का विकास।'

उन्होंने कहा, 'आज सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारीशक्ति के हित, उनके आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए काम किया। आज हम उनके विचारों को, उनके संकल्पों को, नारी सशक्तिकरण के उनके आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं, नई उर्जा दे रहे हैं।'

श्री मोदी ने कहा, 'आज भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। 10 साल में, दूध के उत्पादन में करीब 65 प्रतिशत वृद्धि हुई है। ये सफलता देश के करोड़ों किसानों की है, देश के पशुपालक भाइयों की है। ये सफलता एक दिन में नहीं मिली है, बीते 10 वर्षों से हम देश के पूरे डेयरी सेक्टर को मिशन मोड से आगे बढ़ा रहे हैं। हमने पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी है, उनके लिए लोन की सीमा बढ़ाई है, सब्सिडी की व्यवस्था की है और खुरपका और मुंहपका से पशुधन को बचाने के लिए मुफ्त वैक्सीन प्रोग्राम चलाया जा रहा है।'

उन्होने कहा कि बीते 10 वर्षों में बनारस के विकास ने एक नई गति पकड़ी है। काशी ने आधुनिक समय को साधा है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में मजबूत कदम रखे हैं। आज काशी सिर्फ पुरातन नहीं, प्रगतिशील भी है। वास्तव में आज की काशी पूर्वांचल के विकास के रथ को खींच रही है।'

पूर्वांचल में चिकित्सा सुविधाओं की बेहतरी के लिये सरकार के प्रयासों को गिनाते हुये उन्होने कहा, '10-11 साल पहले, पूरे पूर्वांचल में इलाज को लेकर जो परेशानियां थीं, वो भी हम जानते हैं। आज स्थितियां अलग हैं, मेरी काशी अब आरोग्य की राजधानी भी बन रही है। दिल्ली-मुंबई के बड़े-बड़े अस्पताल आज आपके घर के पास आ गए हैं। यही तो विकास है, जहां सुविधाएं लोगों के पास आती हैं। अब इलाज के लिए जमीन बेचने की जरूरत नहीं, अब इलाज के लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं, अब इलाज के लिए दर-दर भटकने की जरूरत नहीं, आयुष्मान कार्ड से आपके इलाज का पैसा अब सरकार देगी । जब आपने हमें तीसरी बार आशीर्वाद दिया, तब हमने भी सेवक के रूप में स्नेह स्वरूप अपने कर्तव्य को निभाया है। मेरी गारंटी थी, बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा, इसकी का परिणाम है, आयुष्मान वय वंदना योजना। ये योजना बुजुर्गों के इलाज के साथ ही उनके सम्मान के लिए है।'

प्रधानमंत्री ने वाराणसी के बदलते स्वरुप को लेकर कहा, 'आज काशी होकर जो भी जाता है, वो यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर की, यहां की सुविधाओं की बहुत प्रशंसा करता है। हर दिन लाखों लोग बनारस आते हैं, बाबा

विश्वनाथ का दर्शन करते हैं, मां गंगा में स्नान करते हैं। हर यात्री कहता है- बनारस, बहुत बदल गया है। भारत आज विकास और विरासत, दोनों को एक साथ लेकर चल रहा है। इसका सबसे बढ़िया मॉडल हमारी काशी बन रही है। यहां गंगा का प्रवाह है और भारत की चेतना का भी प्रवाह है।'

## तमिलनाडु में बीजेपी और एआईएडीएमके फिर साथ

**-शाह का एलान - 2026 में पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा चुनाव**

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा सियासी मोड़ आया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चेन्नई में एलान किया कि भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके एक बार फिर गठबंधन में साथ आए हैं। उन्होंने घोषणा की कि 2026 का विधानसभा चुनाव एआईएडीएमके प्रमुख ई. पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

यहां केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, कि एआईएडीएमके का एनडीए में शामिल होना दोनों दलों के लिए फायदेमंद है। सीटों का बंटवारा बाद में आपसी सहमति से किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो कॉमन मिनिमम प्रोग्राम (सीएमपी) भी तैयार किया जाएगा। वहीं आगे शाह ने डीएमके सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आगामी चुनाव भ्रष्टाचार, दलितों और महिलाओं पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर लड़ा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि लोग डीएमके से जवाब चाहते हैं, और एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन ही विकल्प है।

गौरतलब है कि सितंबर 2023 में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की कुछ विवादास्पद टिप्पणियों के बाद एआईएडीएमके ने एनडीए से दूरी बना ली थी। लेकिन अब दोनों पार्टियों ने फिर से हाथ मिला लिया है, जिसे आगामी चुनावों के मद्देनज़र एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

## अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर केंद्रीय मंत्री गोयल, बंदूक की नोक पर बात नहीं करते

**-भारत और यूरोपीय संघ के बीच समझौते के लिए ठोस कदम की जरुरत**

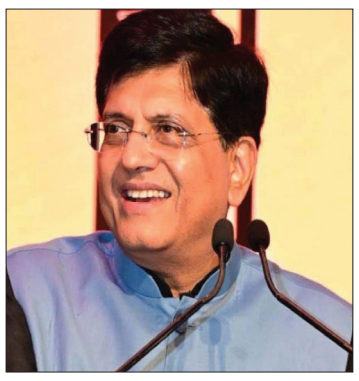

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अमेरिका के साथ चर्चा में सरकार, देश और जनता के हितों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में कोई भी कदम उठाना ठीक नहीं होगा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की सभी व्यापार वार्ताएं ''भारत पहले'' के दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं और 'विकसित भारत 2047' का मार्ग तैयार कर रही हैं।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, पहले भी कई बार कहा है कि हम बंदूक की नोक पर बात नहीं करते हैं। समयबद्ध तरीके से काम करना अच्छा है, लेकिन जब बात देश हित और जनहित की हो तब जल्दबाजी अच्छी नहीं होती।''

दोनों देशों ने सितंबर-अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है। इस समझौते का मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना कर 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि व्यापार वार्ता तब आगे बढ़ती है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं व आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील होते हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं अभी इतना कह सकता हूं कि सभी व्यापार वार्ताएं ''भारत पहले'' के दृष्टिकोण और 'विकसित भारत 2047' के लिए मार्ग प्रशस्त करते हुए आगे बढ़ रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ में व्यवसायों को गैर-शुल्क बाधाओं के कारण कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इस बीच, इटली-भारत व्यापार मंच में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्रता से पूरा करने के लिए ठोस कदम उठने की जरूरत है जिससे दोनों पक्षों को आर्थिक संबंधों को गहरा कर सके। उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप गलियारा (आईएमईसी) भारत तथा इटली को एक-दूसरे के और करीब आने का मौका प्रदान करता है। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और इटली के बीच निर्बाध व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने की भी जरुरत है। गोयल ने कहा, ''दोनों पक्षों में निवेश को प्रोत्साहित करने, उद्योग जगत को बिना किसी बाधा के एक-दूसरे के साथ व्यापार करने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है... मुझे लगता है कि इसमें 15 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से बढ़ने की जबरदस्त क्षमता है।''

## स्लोवाकिया ने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को मान्यता दी: राष्ट्रपति मुर्मू

**ब्रातिस्लावा/नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत बनाने में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने गुरुवार को ब्रातिस्लावा में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में यह बात कही।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'स्लोवाक नेताओं के साथ बातचीत में मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को मान्यता दी। स्लोवाकिया के विकास और प्रगति में भारतीय समुदाय के बहुमूल्य योगदान के प्रति बहुत सम्मान की भावना रही है।'

उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, 'यह देखकर खुशी होती है कि भारत की विरासत और परंपराएं हमारे स्लोवाक मित्रों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। योग और आयुर्वेद से लेकर भारतीय व्यंजनों तक, स्लोवाकिया में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ते मजबूत संबंधों का प्रमाण है।'

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उपनिषदों का स्लोवाक भाषा में अनुवाद यहां के लोगों को भारत की प्राचीन शिक्षाओं से जुड़ने का एक और अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि के रूप में भारतीय समुदाय की भूमिका भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत करने में अमूल्य है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के अपने राजदूत हैं जो दोनों देशों को जोड़ने के लिए पुल का काम करते हैं। लेकिन भारतीय समुदाय भी उन राजदूतों में से एक है क्योंकि वे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, भारत को गौरव दिलाते हैं और बढ़ाते हैं।'

गुरुवार को, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और स्लोवाकिया के प्रेसिडेंट पीटर पेलेग्रिनी ने संयुक्त रूप से स्लोवाकिया के नित्रा के सिहोट स्थित सिटी पार्क में स्लोवाकिया के राष्ट्रीय वृक्ष लिंडेन को लगाया। यह लगभग तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है।

राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू की स्लोवाकिया की दो दिवसीय यात्रा इस बात का संकेत देती है कि भारत स्लोवाक गणराज्य के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को कितना महत्व देता है। इससे रक्षा, विज्ञान, टेक्नोलॉजी, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में गहन सहयोग और नई पहलों के शुरू होने की उम्मीद है।

## वक्फ कानून के खिलाफ शहर-शहर प्रदर्शन, कोलकाता में छात्रों का मार्च, मुंबई और भोपाल की सडक़ों पर उतरे लोग

कोलकाता/मुंबई/लखनऊ/भोपाल। संसद के दोनों सदनों से वक्फ बिल के पास होने और कानून बनने के बाद देश के अलग-अलग इलाकों से प्रोटेस्ट की खबरें सामने आ रही हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा है कि घर की बत्ती बंद करें और वक्फ कानून के खिलाफ प्रोटेस्ट करें। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि नरेंद्र मोदी मुस्लिमों के घर में रोशनी देंगे। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता की आलिया विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स वक्फ संशोधन के खिलाफ कैंपस में प्रोटेस्ट मार्च निकाल रहे हैं। विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स का प्रोटेस्ट सर्कस क्रॉसिंग तक रहा। यही वह स्थान है, जहां पिछले शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन हुआ था। भोपाल में शुक्रवार को मप्र मुस्लिम त्योहार कमेटी द्वारा वक्त बिल के विरोध में आयोजित विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। इसके चलते प्रदर्शन मोती मस्जिद सडक़ पर किया गया। प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस की भारी तैनाती देखी गई, साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स भी मौके पर मौजूद रही। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग इकबाल मैदान क्षेत्र में एकत्रित हुए, लेकिन जब उन्हें प्रदर्शन की अनुमति रद्द होने की जानकारी मिली तो वे लौट गए।

## अमेरिका और चीन के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बना टैरिफ वॉर ...

**-अब चीन ने अमेरिका पर लगाया 125 प्रतिशत टैरिफ..**

**-ट्रंप जिद्दी तो जिनपिंग भी झुकने को तैयार नहीं**

**-खतरनाक राह पर ट्रेड वार**

**वॉशिंगटन/बीजिंग (एजेंसी)।** चीन और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ वॉर पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन गया है। अब चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ऐसे में अब अमेरिका से आने वाले सामान पर चीन 125 प्रतिशत तक टैक्स वसूलेगा। पहले चीन ने इस टैरिफ को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया था। 125 प्रतिशत टैरिफ का प्रावधान 12 अप्रैल से लागू होगा। चीन के इस कदम से साफ है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बढ़ाए गए टैक्स का मुंहतोड़ जवाब देने का प्लान बनाया गया है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन के सामान पर लगाए गए नए टैरिफ का आंकड़ा 125 प्रतिशत नहीं 145 प्रतिशत हो गया है।

अमेरिका और चीन के बीच का टैरिफ वॉर चरम पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ पर 70 से अधिक देशों को 90 दिनों की राहत दे चुके हैं लेकिन चीन को बड़ा झटका दिया है। चीन पर ट्रंप ने कुल 145 फीसदी टैरिफ लगाया है। अमेरिका के 145 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में अब चीन ने 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया दिया है। ये शनिवार से लागू होगा। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका से बढ़ते टैरिफ विवाद के बीच पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीन किसी से डरता नहीं है। पिछले 70 साल में हुआ चीन का विकास कड़ी मेहनत और खुद पर निर्भर रहने का नतीजा है। इन सबके बीच ट्रंप को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के फोन करने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रंप से टैरिफ पर बातचीत के लिए दर्जनभर से ज्यादा देश संपर्क में हैं। आगामी हफ्तों में ट्रंप के साथ कई देशों के प्रतिनिधियों की बातचीत और मीटिंग्स हो सकती है। लेकिन इन देशों में चीन शामिल नहीं है। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि टैरिफ को लेकर अमेरिका किसी भी सूरत में बातचीत की पहल नहीं करेगा। चीन को

ही इसकी पहल करनी होगी। ट्रंप ने अपनी टीम को बताया है कि चीन ही इस दिशा में पहला कदम उठाएगा। सूत्रों का कहना है कि लेकिन टैरिफ को लेकर इस संभावित बातचीत में एक बड़ी अड़चन चीन का रुख है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग किसी भी हाल में कमजोर दिखना नहीं चाहते। इसलिए वह पहला कदम उठाकर कमजोर दिखने से बचना चाहते हैं। ट्रंप इससे पहले भी कह चुके हैं कि चीन हमसे डील करना चाहता है लेकिन उसे नहीं पता है कि यह डील कैसे शुरू की जाए।

**चीन कभी दूसरों के दान के भरोसे नहीं रहा**

जिनपिंग ने कहा कि चीन कभी दूसरों के दान के भरोसे नहीं रहा है। न ही कभी किसी की जबरदस्ती से डरा है। दुनिया कितनी भी क्यों न बदल जाए, चीन परेशान नहीं होगा। जिनपिंग ने कहा कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। दुनिया के खिलाफ जाने का मतलब खुद के खिलाफ जाना है। जिनपिंग ने यह बातें स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज से मुलाकात के दौरान कहीं।

# निर्भया के रेपिस्टों को लटकवाया, अब तहव्वुर को भेजेंगे जहन्नुम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन के खिलाफ कोर्ट में एनआईए का पक्ष रखने की जिम्मेदारी सीनियर एडवोकेट और क्रिमिनल मामलों के एक्सपर्ट दयान कृष्णन केंद्रीय जांच एजेंसी की तरफ से पक्ष रखेंगे। बता दें कि दयान कृष्णन इससे पहले भी कई हाई-प्रोफाइल और चर्चित मामलों में वकील रह चुके हैं। दयान कृष्णन निर्भया मामले में भी प्रॉसीक्यूशन पक्ष से दलीलें रखी थीं, जिसके बाद अभियुक्तों को अंजाम तक पहुंचाया गया था। 2012 में दयान कृष्णन को निर्भया गैंगरेप-मर्डर मामले में मुकदमे के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा विशेष सरकारी वकील नियुक्त किया गया था। दयान ने इस मामले में वकीलों की टीम का नेतृत्व करने के लिए स्वेच्छा से निशुल्क काम किया था। दयान कृष्णन ने निर्भया मामले में आरोपियों को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद कहा था, 'घटना के बाद मुझे लगा कि समाज के प्रति मेरा कर्तव्य है। जब मैं समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाऊंगा, तो निश्चित रूप से मैं पैसा नहीं कमा पाऊंगा।'

वरिष्ठ वकील दयान कृष्णन 26/11 के सह-साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली के प्रत्यर्पण में कानूनी प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे थे। अब वही एनआईए की अभियोजन टीम का नेतृत्व करेंगे जो तहव्वुर राणा के खिलाफ एक मजबूत मामला बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि कृष्णन को विशेष अभियोजक नरेंद्र मान सहित एक टीम द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी, जिन्होंने पहले दिल्ली हाईकोर्ट में सीबीआई का प्रतिनिधित्व किया था। बता दें कि मान एक अनुभवी क्रिमिनल वकील हैं। सूत्रों ने बताया कि दयान कृष्णन ने राणा के प्रत्यर्पण की कार्यवाही में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी टीम ने अमेरिकी कोर्ट के समक्ष जबरदस?त साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके चलते राणा की सभी दलीलों और अपीलों को खारिज कर दिया गया। साल 2019-20 में प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू होने पर कृष्णन एनआईए के साथ मिलकर काम कर रहे थे। वह और उनकी टीम भारत का मामला पेश करने के लिए एनआईए के साथ अमेरिका भी गए थे। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी कानूनों के कारण अनौपचारिक क्षमता में टीम की सहायता कर रहे थे। एनआईए के एक अधिकारी ने कहा, उन्होंने अपराधों को अलग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि भारत का मामला अमेरिका द्वारा राणा पर चलाए गए मुकदमे से अलग है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार किया

प्रहलाद सबनानी

**यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।**

दिनांक 9 अप्रेल 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आशय यह है कि आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है। हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रा स्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103 प्रतिशत) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2 प्रतिशत का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17 प्रतिशत भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2 प्रतिशत भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपए में लगभग 360 लाख करोड़ रुपए बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपए 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पी एल आई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैंकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपए के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के पश्चात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100 प्रतिशत बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8 प्रतिशत, चीन का 75.8 प्रतिशत, जर्मनी का 43.7 प्रतिशत और जापान का केवल 1.3 प्रतिशत बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

## संपादकीय

### युवाओं को कमान

कांग्रेस अपने अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कड़े.फसले ले सकती है और निष्क्रिय पदाधिकारियों को रिटायर करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अधिवेशन में कहा कि जो पार्टी में रह कर काम नहीं कर रहे हैं, वे या तो आराम करें या फिर रिटायर हो जाएं। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं, गुजरात कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं। एक, जो दिल से पार्टी के लिए लड़ते हैं और जनता से जुड़े. हैं। दूसरे, जिनका जनता से संपर्क टूट चुका है और बीजेपी के साथ मिले हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, जरूरत पड़े.तो पांच से पच्चीस नेताओं को कांग्रेस से निकाल देना चाहिए। जाहिर है, कांग्रेस कमर कस रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों की राय में पार्टी का सालों बाद अपना अधिवेशन गुजरात में करने का निर्णय ही बदलाव की नींव हो सकता है। गुजरात में तीन दशकों से काबिज भाजपा के पांव उखाड़.कर वे देश भर की जनता को संदेश देने के इच्छुक लग रहे हैं। पुराने या निष्क्रिय नेताओं की अकर्मण्यता को लेकर अब तक जो कनफुसियां जारी थीं, उन्हें मंच से कहने के लिए कड़ी मशक्कत की जा चुकी प्रतीत हो रही है। उन्हें अहसास हो चुका है कि संगठन को सुधारे बगैर भाजपा को चुनौती देना मुश्किल है। इसीलिए साल भर संगठन में मुस्तैदी की कवायद के बाद जाहिर किया गया कि टिकट वितरण में जिलाध्यक्षों की भूमिका अहम होगी। दल ने अपने राष्ट्रवाद को समाज को जोड़ने वाला और भाजपा के राष्ट्रवाद को तोड़ने वाला बताते हुए समान न्याय की अवधारणा, वंचितों, पीड़ितों, शोषितों व महिलाओं की चिंता जाहिर की। प्रतीत हो रहा है कि वे सत्ताधारी दल के राष्ट्रवाद को निशाना बनाने के प्रति दृढ़ संकल्प नजर आना चाहते हैं। कांग्रेसी संस्कृति पुरानी पड़.चुकी है जिसका खमियाजा वे लगातार भुगत रहे हैं। पार्टी के शीर्ष अधिकारियों समेत गांधी परिवार को खुद अपनी समीक्षा करनी है। बेशक, कड़े.निर्णय लेना जरूरी है। मगर निचली कतार तक जोश और जीत का जज्बा जगाने की भी जरूरत है। मन-मुटाव और आपसी झगड़ों को निपटाए बगैर जो टेढ़ी खीर साबित हो सकती है। वरिष्ठ नेताओं को परदे के पीछे या दिशा-निर्देशन का जिम्मा दिया जाना ही एकमात्र जरिया हो सकता है। आखिर, वर्तमान में यह सबसे ज्यादा युवाओं का देश है, यह हकीकत देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को समझ आ ही रही है।

## चिंतन-मनन

### कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग कर-के देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है।

इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

# संवाद से भविष्य संवारने की सार्थक पहल!

सोनम लववंशी

बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में जब शिक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है, बच्चों पर मानसिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। परीक्षा और करियर की चिंता ने उनकी मासूमियत को छीन लिया है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगभग 12,000 छात्र परीक्षा और करियर संबंधी तनाव के कारण आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लेते हैं। यह स्थिति समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी किया गया पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल एक नवाचार है, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा को तनावमुक्त और आनंदमय बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। इस पहल का मूल उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को सशक्त करना है, जिससे बच्चों को एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और सहयोगी वातावरण मिल सके।

एक बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका शैक्षणिक प्रदर्शन। शोध बताते हैं कि जिन बच्चों को अपने अभिभावकों और शिक्षकों से निरंतर समर्थन मिलता है, वे न केवल अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता भी मजबूत होती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जिन बच्चों के माता-पिता स्कूल की गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे 30 प्रतिशत अधिक आत्मविश्वासी होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी 20 फीसदी तक बेहतर होती है। सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर इसी दिशा में एक ठोस प्रयास है। इस कैलेंडर को तैयार करने के लिए सीबीएसई ने जनवरी 2025 में एक दस सदस्यीय कमेटी का गठन किया था, जिसने विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी सिफारिशें दीं। इन सिफारिशों के आधार पर अप्रैल 2025 से इस पहल को लागू किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जो शिक्षा में भागीदारी और समग्र विकास पर बल देती है। यह कैलेंडर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सतत संवाद को बढ़ावा देगा और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करेगा।

आज की शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर विषय बन गया है। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव चरम पर होता है, जिससे उनकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास प्रभावित होते हैं। ऐसे में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय बहुत आवश्यक हो जाता है। यह कैलेंडर इस समन्वय को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन कर-के वे अपने बच्चों को बेहतर सहायता प्रदान कर सकते हैं। बच्चों की शिक्षा केवल स्कूल तक सीमित नहीं होती; उनके विकास में घर का वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब अभिभावक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो बच्चों की सीखने की क्षमता बेहतर होती है। पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि बच्चों के साथ अभिभावकों के भावनात्मक संबंध को भी मजबूत करेगा।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा का स्तर भी सुधरेगा। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की प्रगति की निगरानी करते हैं, तो बच्चों का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से बेहतर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी अधिक होती है, वहां छात्रों के परीक्षा परिणाम 15-20 फीसदी तक बेहतर होते हैं। ऐसे में सीबीएसई की इस पहल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डिजिटल युग में, जहां बच्चे स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं और परिवारों के बीच संवाद की खाई बढ़ती जा रही है, यह कैलेंडर न केवल संवाद बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव भी लेकर आएगा। यह कैलेंडर बच्चों की शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखते हुए उनके समग्र विकास पर केंद्रित करेगा और निःसन्देह सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर शिक्षा क्षेत्र में एक प्रभावी और सराहनीय प्रयास है। यह केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाला एक सशक्त माध्यम है। जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करेंगे, तो बच्चों की शिक्षा न केवल प्रभावी होगी, बल्कि वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। यह पहल शिक्षा प्रणाली में एक नए युग की शुरूआत करने की क्षमता रखती है, जहां बच्चे तनावमुक्त होकर अपने भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# फूड ड़िलीवरी : एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

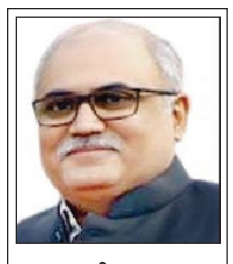

रजनीश कपूर

आज की तेज-रफ्तार दुनिया में दस मिनट फूड डिलीवरी सेवाएं क्रांति की तरह उभरी हैं। लोग अपने व्यस्त जीवन में समय बचाने के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं। स्विगी, जोमैटो, और अन्य स्टार्टअप्स ने 'हाइपर-लोकल डिलीवरी' के नाम पर भोजन को रिकॉर्ड समय में ग्राहकों तक पहुंचाने का वादा किया है। लेकिन क्या यह सुविधा वाकई इतनी लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? दस मिनट की फूड डिलीवरी कितनी सार्थक है? विज्ञापन की चकाचौंध भरी दुनिया में इस सेवा के ऐसे कौन से बिंदु हैं जिन्हें अनदेखा कर दिया जाता है।

जब भी कभी किसी रेस्टोरेंट पर दस मिनट की डिलीवरी का ऑर्डर आता है, तो उन पर इतना अधिक दबाव होता है कि अक्सर खाने की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बजाय जल्दबाजी में ऑर्डर तैयार करते हैं। ताजा सामग्री का उपयोग, स्वच्छता और स्वाद को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, को 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण गुण भी कम हो जाता है। दस मिनट की डिलीवरी का सबसे बड़ा नुकसान डिलीवरी कर्मचारियों को होता है। इन कर्मचारियों को असंभव समय-सीमा के भीतर ऑर्डर पहुंचाने के लिए कहा जाता है। सड़कों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में देश में डिलीवरी कर्मचारियों की दुर्घटनाएं 30प्र. तक बढ़ी हैं। इसका एक बड़ा कारण 'हाइपर-फास्ट डिलीवरी' मॉडल है। इसके अलावा, ये कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना किसी स्वास्थ्य/दुर्घटना बीमा के और अनिश्चित नौकरी की स्थिति में काम करते हैं। उनकी मानसिक-शारीरिक सेहत पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। तेज डिलीवरी का पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। डिलीवरी वाहनों की संख्या बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। दस मिनट में डिलीवरी के लिए छोटे-छोटे ऑर्डर अलग-अलग वाहनों से पहुंचाए जाते हैं जिससे ईंधन की बबार्दी होती है। पैकेजिंग में उपयोग होने वाला प्लास्टिक और डिस्पोजेबल कंटेनर भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में फूड डिलीवरी उद्योग हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिसाइकिल नहीं हो पाता। दस मिनट में डिलीवरी मॉडल इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि जल्दबाजी में पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता।

यह डिलीवरी मॉडल बड़े डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा संचालित होता है, जो रेस्तरांओं से भारी कमीशन वसूलते हैं। छोटे और स्थानीय रेस्तरां, जो पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं, इस दबाव को झेल नहीं पाते। कई बार उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं, या गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। परिणामस्वरूप कई छोटे रेस्तरां बंद हो रहे हैं, और बाजार पर बड़े खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ रहा है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि ग्राहकों के लिए विकल्पों की विविधता को भी कम करता है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, जो जल्दी तैयार हो जाता है, इस मॉडल में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिसमें मोटापा, मधुमेह, और ह्रदय रोग जैसी समस्याएं शामिल हैं।

दस मिनट में डिलीवरी पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर है। ग्राहकों को बार-बार ऐप का उपयोग करना पड़ता है, जिससे उनकी निजी जानकारी पता, फोन नंबर और भुगतान विवरण आदि इन प्लेटफॉर्म्स के पास जमा हो जाती है। डेटा उल्लंघन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, और यह जोखिम बना रहता है। भारत में खाना पेट भरने भर का साधन नहीं है; यह सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव भी है। परिवारों का एक साथ खाना बनाना-खाना सामुदायिकता को बढ़ावा देता है। दस मिनट में डिलीवरी इस अनुभव को कमजोर कर रही है। लोग अब रेस्तरां में जाकर खाने की बजाय घर से ऑर्डर करना पसंद करते हैं, जिससे सामाजिक मेलजोल कम हो रहा है।

स्थानीय व्यंजनों की जगह फास्ट फूड चेन का प्रभुत्व बढ़ रहा है, जो सांस्कृतिक विविधता के लिए हानिकारक है। बेशक, दस मिनट की डिलीवरी रोजगार सृजन करती है, लेकिन आर्थिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। यह मॉडल खाद्य गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण, डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा से लेकर स्थानीय अर्थव्यवस्था तक, कई क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हमें सोचना होगा कि क्या हमें वाकई हर चीज इतनी जल्दी चाहिए या हम थोड़ा धीमा चल कर स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली चुन सकते हैं। सरकार, कंपनियों, और ग्राहकों को मिल कर इस मॉडल को और जिम्मेदाराना बनाने की दिशा में काम करना होगा। स्थायी और नैतिक डिलीवरी प्रथाओं को अपना कर हम सुविधा और जिम्मेदारी का संतुलन बना सकते हैं।

## 5 नए शेयरों पर क्वांट स्मॉलकैप फंड ने लगाया दांव

**मुंबई, एजेंसी।** क्वांट स्मॉलकैप फंड पूरी तरह से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बाहर हो गया है। वहीं, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। स्मॉलकैप फंड ने मार्च में अपने पोर्टफोलियो में 5 नए स्टॉक्स जोड़े हैं। फंड ने मार्च में एसबीआई के करीब 40.04 लाख शेयर बेचे हैं। इसके अलावा, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने इस साल मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज के करीब 5.66 लाख शेयर बेचे हैं। फंड के पोर्टफोलियो में अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1.95 करोड़ शेयर रह गए हैं। फरवरी में फंड के पोर्टफोलियो में रिलायंस इंडस्ट्रीज के 2.01 करोड़ शेयर थे। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। क्वांट स्मॉलकैप फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड की तरफ से मैनेज किया जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

**फंड का इन 5 नए स्टॉक्स पर दांव-** फंड ने अपने पोर्टफोलियो में बंधन बैंक, कैस्ट्रॉल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, स्टैनली लाइफस्टाइल्स और वेलस्पन इंडिया ये पांच स्टॉक्स जोड़े हैं। क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बंधन बैंक के 24.48 लाख शेयर, कैस्ट्रॉल इंडिया के 22.43 लाख शेयर, शिपिंग कॉरपोरेशन के 26.56 लाख शेयर, स्टैनली लाइफस्टाइल्स के 3.09 लाख शेयर और वेलस्पन इंडिया के 72.68 लाख शेयर खरीदे हैं।

## 59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

**मुंबई, एजेंसी।** अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर - अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

### क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत चक्रवृद्धि वृद्धि होने की उम्मीद है।

**दिसंबर तिमाही के नतीजे-** अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था। 卐 अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

# रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

**मुंबई, एजेंसी।** रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

### तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

## 4 सरकारी बैंकों ने ब्याज दरें घटाई, मौजूदा और नए ग्राहकों को होगा फायदा

**मुंबई, एजेंसी।** सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों ने बुधवार को रेपो दर में कटौती किए जाने के कुछ घंटों के ही भीतर उधारी दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती करने की घोषणा कर दी। ब्याज दर में कटौती करने वाले बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और यूको बैंक शामिल हैं। बैंकों के इस फैसले से उनके मौजूदा और नए उधारकर्ताओं दोनों को फायदा होगा। अन्य बैंकों की तरफ से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.0 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग दी गई सूचनाओं में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्पकालिक ऋण दर (रेपो रेट) में कटौती किए जाने के बाद ऋण दर में यह संशोधन किया गया है। रेपो रेट घटने से बैंक क्यों कर देते हैं लोन सस्ता-रेपो रेट कम होने से बैंकों को आरबीआई से सस्ते दरों पर पैसा मिलेगा, जिससे वे होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन आदि पर ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इससे ईएमआई कम होगी और लोगों की मासिक बचत बढ़ेगी। छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भी सस्ते लोन मिलेंगे, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक ने कहा कि उसकी रेपो-संबद्ध मानक उधारी दर (आरबीएलआर) 11 अप्रैल से 35 आधार अंकों की कटौती करके 8.70 प्रतिशत कर दी जाएगी। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने आरबीएल आर को 9.10 प्रतिशत से संशोधित कर 8.85 प्रतिशत कर दिया है।

## टाटा प्ले बिंज लेकर आया है, आईपीएल के उत्साह के बीच क्रिकेट के रोमांच वाली फ़िल्में

**मुंबई।** पूरे देश में आईपीएल का उत्साह व्याप्त है। सभी पर क्रिकेट का बुखार चढ़ा है। मैच में छक्का लगने की खुशी हो, या फिर फैंटेसी लीग में बढ़ता स्कोर देखने की उत्सुकता, स्टेडियम से लेकर आपके घर की स्क्रीन तक, यह क्रिकेट का दौर बहुत ही रोमांचक है। लेकिन यदि रोज मैच देखने के बाद भी आपका मन न भरे, तो टाटा प्ले बिंज़ आपके लिए लेकर आया है क्रिकेट की प्रेरणा से बनी बेहतरीन फिल्में और सीरीज़। टाटा प्ले बिंज के साथ आप भावनाओं का उतार-चढ़ाव और रोमांच अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे, वो भी चैनल बदले बिना और अलग-अलग जगह लॉग इन किए बिना।

क्रिकेट का पूरा मनोरंजन मिलेगा एक ही जगह पर। तो जब मैच होगा खत्म, बिंज होगा शुरू। मैच खत्म होने के बाद भी अपनी क्रिकेट की जिज्ञासा को जारी रखें। आईपीएल मैच के उत्साह के बीच देखिए उस खिलाड़ी की कहानी, जो चेन्नई सुपरकिंग्स को ले गया विजय के शिखर पर? एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी में भारत के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक, महेंद्र सिंह धोनी का जीवन दिखाया गया है। एक छोटे से शहर से आने से लेकर विश्व कप में भारत को जीत दिलाने तक वो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

**अमेज़न इंडिया 2025 के दौरान**

# आश्रय विश्राम केंद्रों के नेटवर्क को बढ़ाकर करेगी 100 तक

**मुंबई, एजेंसी।** अमेज़न इंडिया ने घोषणा की कि उसने 2025 के दौरान देश भर में अपने आश्रय केंद्रों के अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 100 तक करने की योजना बनाई है। ये आश्रय केंद्र ऐसे विश्राम स्थल हैं जो ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में डिलीवरी एसोसिएट को बैठने की वातानुकूलित जगह, स्वच्छ पेयजल, इलेक्ट्रोलाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट और जलपान की सुविधा प्रदान करते हैं। यह उद्योग में अपने किस्म की पहली पहल है जिसके ज़्यादा व्यस्त क्षेत्रों में डिलीवरी एसोसिएट (डिलीवरी कर्मियों) और लॉजिस्टिक्स भागीदारों के लिए विशिष्ट विश्राम केंद्र मुहैया कराए जाते हैं।

पेट्रोल पंप और वाणिज्यिक किराये की जगहों (कमर्शियल रेंटल) पर स्थित ये केंद्र आवश्यक सुविधाओं से लैस हैं। ये आश्रय केंद्र पूरे साल भर में सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होते हैं, जो यहां आने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट को हर बार आने पर 30 मिनट तक निःशुल्क उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी समय 15 लोगों के साथ बैठने-आराम करने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता वाले इन केंद्रों में सुविधाजनक पार्किंग की भी सहूलियत होती है।

अमेज़न में वीपी ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, अभिनव सिंह ने कहा, डिलीवरी एसोसिएट का स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और आराम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय केंद्र में स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट और चार्जिंग पॉइंट जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम क्षेत्र की भी व्यवस्था होती है। ये केंद्र डिलीवरी एसोसिएट को उनके व्यस्त शेड्यूल के दौरान आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सभी डिलीवरी एसोसिएट के लिए इन सुविधाओं को खोलने से पूरे लॉजिस्टिक्स समुदाय मदद मिलती है और इससे उद्योग के मानकों को ऊपर उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

# सोने के उछले भाव, इस साल 14421 हुआ महंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने के फैसले के बाद निवेशकों ने सोने में जमकर पैसा लगाया और एक बार फिर सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। स्पॉट गोल्ड गुरुवार को 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,089.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.8 प्रतिशत चढ़कर 3,104.90 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दिनों स्पॉट गोल्ड 2.6 प्रतिशत और फ्यूचर्स 3 प्रतिशत उछले थे। जबकि, 3 अप्रैल को सोना 3,167.57 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। महावीर जयंती के मौके पर आज 10 अप्रैल को भारतीय शेयर मार्केट और कमोडिटी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि, शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू होगी।

### इस साल अबतक सोना 14421 रुपये उछला

अगर घरेलू सर्राफा मार्केट की बात करें तो इस साल अबतक सोना 14421 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी के भाव 4652 रुपये चढ़े हैं। अगर अप्रैल की बात करें तो गोल्ड की कीमत 997 रुपये चढ़ी है और चांदी 10265 रुपये कमजोर हुई है।

**सोने के भाव में 1611 रुपये की उछाल-** भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव एक बार फिर उछल गया है। आईबीजेए के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव में 1611 रुपये का उछाल आया और यह 90161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 306 रुपये चढ़कर 90669 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, एमसीएक्स पर सोना बुधवार को 80 रुपये (0.09 प्रतिशत) गिरकर 89,724 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। दिन में यह 90,853 रुपये तक भी पहुंचा था। चांदी 2,856 रुपये (3.22 प्रतिशत) चढ़कर 91,600 रुपये प्रति किलो हुई।

### क्यों बढ़ रहा है सोना

ट्रंप ने चीन से आयात पर टैरिफ 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, लेकिन अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ाने को 90 दिन के लिए टाल दिया। निवेशकों को डर है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

**आरबीआई गवर्नर ने कहा**

# अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

**भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

**शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता-** जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

**यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान-** आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है।बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

### विदेशी मुद्रा भंडार : पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

### अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

### जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सनराइजर्स और पंजाब किंग्स आज होंगे आमने-सामने

**हैदराबाद (एजेंसी)।** सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां अपने घरेलू मैदान राजीव गांधी स्टेडियम में पंजाब किंग्स का सामना करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का लक्ष्य जीत हासिल कर लगातार हार का सिलसिला तोड़ना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं है क्योंकि इस बार पंजाब किंग्स की टीम शानदार फार्म में है और लगातार जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है।

वहीं सनराइजर्स ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर सबसे अधिक स्कोर बनाया था पर उसके बाद से ही वह असफल रही है और लगातार हार रही है। सनराइजर्स की टीम पहले मैच के बाद एक बार भी 200 रनों तक नहीं पहुंच पायी है। उसने

। ट्रैविस हेड सहित उसके सभी आक्रामक बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं। इससे उसका नेट रन रेट भी नीचे आया है। सनराइजर्स के पास हेड के अलावा अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं पर ये सभी रन बनाने में नाकाम रहे हैं। पिछले साल सनराइजर्स की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले हेड और अभिषेक ने इस बार वर्तमान सत्र में इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 15 रन की है। हेड अभी तक पांच पारियों में 67, 47, 22, 04 और 08 रन ही बना पाए हैं। अभिषेक की बल्लेबाजी भी खराब रही है। वह एक बार ही 24 रन तक पहुंच पाये हैं।

सनराइजर्स की गेंदबाजी भी कमजोर है। उसके गेंदबाजों ने अभी तक काफी रन दिये हैं. कप्तान पैट कमिंस भी प्रभावी नहीं रहे हैं। मोहम्मद शमी और हर्शल पटेल ने भी काफी रन दिये हैं। उसके स्पिनरों को भी संघर्ष करना पड़ा है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में अभी तक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। श्रेयस के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने भी

धमाकेदार बल्लेबाजी की है। टीमी की गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके पास अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन जैसे गेंदबाज हैं। ऐसे में इस मैच में पंजाब की टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**सनराइजर्स हैदराबाद:** पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट

**पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, यश ठाकुर,मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, प्रियांश आर्य

## केएल राहुल ने खोला मैच जिताऊ पारी का राज, आरसीबी के खिलाफ बनाए 93 रन

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि कीपिंग करते हुए पिच के मिजाज को समझा और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद राहुल ने कहा कि उन्हें बेंगलुरु की परिस्थितियों की अच्छी जानकारी है। उन्होंने कर्नाटक के खिलाड़ी कि के रूप में अपना पूरा करियर इस शहर में खेलते हुए बिताया है।

उन्होंने कहा कि यह थोड़ी मुश्किल पिच थी, लेकिन मेरा मानना है कि मुझे जो मदद मिली वह यह थी कि मैंने 20 ओवर तक विकेट के पीछे रहकर देखा कि पिच कैसे खेल रही है। मुझे विकेटकीपिंग करते हुए लगा कि गेंद पिच पर थोड़ा रुक कर रही थी और दोनों पारियों के दौरान पिच का मिजाज एक जैसी ही रहा।

राहुल ने कहा, 'यह दोहरी गति वाली पिच नहीं थी, बल्कि गेंद एक ही गति से बल्ले पर आ रही थी,। बस थोड़ा ,सा रुक रही थी। मुझे पता था कि मेरी स्ट्रेंथ क्या हैं, इसलिए मैं शुरुआत आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहता था और फिर उसके बाद पिच को पढ़ना चाहता था और मैंने वही किया।'

उन्होंने कहा, 'ऐसी पिच पर मुझे पता था कि शॉट्स कहां खेलना है। अगर मैं पहले से ही बड़े शॉट के लिए जा रहा था, तो मुझे पता था कि क्या हासिल करना है। उन्होंने कहा कि विकेटकीपिंग ने मुझे यह समझने में मदद की कि अन्य बल्लेबाजों ने कैसे खेला, वे कहां आउट हुए और कहां उन्हें छक्का मारने अवसर मिला।' उल्लेखनीय है कि केएल राहुल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रन बनाते हुए दिल्ली कैपिटल्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ जीत दिलाई। यह दिल्ली कैपिटल्स की लगातार चौथी जीत थी।

## कप्तानी के दौरान अलग ही अंदाज में नजर आते हैं धोनी : गांगुली

**कोलकाता (एजेंसी)।** नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की कोहली में हुए फ्रेक्चर के बाद जहां एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी मिली है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का भी मानना है कि धोनी का कप्तानी के दौरान अलग ही अंदाज देखने को मिलता है। इसलिए उन्हें अगर सीएसके की ओर से आगे भी खेलना है तो कप्तानी ही करनी चाहिये। गांगुली ने कहा कि 43 साल की उम्र में भी धोनी आसानी से बड़े शॉट खेल लेते हैं और ये उनकी खूबी है। वहीं सीएसके के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं धोनी भी अब तक खेले मैचों में निचले क्रम पर उतरे हैं जिसपर कई सवाल भी उठे हैं।

वहीं गांगुली ने एक कार्यक्रम में कहा, ''मेरा यह मानना है कि अगर धोनी को सीएसके के लिये खेलना है तो उसे कप्तान ही बने रहना चाहिये कई कप्तानी करते हुए वह अधिक बेहतर प्रदर्शन करते हैं।''

गांगुली ने कहा, ''धोनी अभी भी छक्के लगा रहा है। हमने पिछले मैच में देखा। वह 43 साल का हो गया है, ऐसे में स्वाभाविक है कि वह वैसे नहीं खेल सकता जैसे 2005 में खेलता था। इससे मुझे लगता है कि उसके भीतर अभी भी छक्के लगाने की ताकत है।'' साथ ही कहा कि उसके अंदर खेल की समझ होने के साथ ही खेल का लंबा अनुभव भी है, ऐसे में वह वही करेगा जो टीम के लिये सही होगा।'' वहीं पिछले बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अपने घरेलू मैच में खराब प्रदर्शन को लेकर गांगुली ने कहा, ''ये टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ही बता सकते हैं। पिछले मैच में वह जीत के करीब होने के बाद से ही हार गये थे।''

# आईपीएल में आज सुपर जॉइंट्स का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है क्योंकि जहां सुपर जॉइंट्स को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं टाइटंस की टीम का मनोबल लगातार मिल रही जीत से बढ़ा हुआ है। गुजरात टाइटंस लगातार चार मैच जीतने के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं लखनऊ सुपर जॉइंट्स तीन मैच में जीत के साथ ही पांचवें नंबर पर है।

लखनऊ की टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि पूरन फार्म में हैं। इस सलामी बल्लेबाज ने अब तक 288 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 225 है जो किसी भी विरोधी टीम के लिए परेशानी की बात है। पूरन ने अभी तक 25 चौके और 24 छक्के लगाए हैं। ऐसे में उनपर अंकुश लाना टाइटंस की पहली प्राथमिकता होगी। पूरन को रोकने का प्रयास टाइटंस के तेज गेंदबाज मो सिराज करेंगे। सिराज ने अब तक पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके नाम पर पांच मैच में 10 विकेट लिए हैं। ऐसे में पूरन के लिए सिराज के

खिलाफ पावर प्ले में बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होगा। पूरन के अलावा सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्क्रम और मिशेल मार्श को भी सिराज से सतर्क रहना होगा। टाइटंस की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अभी तक अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा उसके पास स्पिनर आर साई किशोर और स्पिनर राशिद खान हैं। ऐसे में सुपर जॉइंट्स के बल्लेबाजों की राह आसान नहीं है। टीम के एक और कमजोरी उसके कप्तान ऋषभ पंत का फार्म में नहीं होना भी है। ऋषभ ने अभी तक चार पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। राशिद ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी करके लय हासिल करने के संकेत दिए थे। अगर वह अपना यह प्रदर्शन जारी रखते हैं तो लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल पैदा हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की ओर से अब अब बल्लेबाजी में बी साई सुदर्शन ने 273 और जोस बटलर ने 203 रन बनाये हैं पर कप्तान शुभमन गिल का बल्ला अब तक खामोश है।

सुपर जॉइंट्स की गेंदबाजी शार्दुल ठाकुर, अवेश खान के अलावा स्पिनर रवि बिश्नोई पर आधारित रहेगी।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**गुजरात टाइटंस =** शुभमन गिल (कप्तान), बी साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़, करीम जनत।

**लखनऊ सुपर जाइंट्स =** ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्कर्म, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

## पीसीबी ने दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर बॉश पर प्रतिबंध लगाया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अचानक पीएसएल छोड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बॉश को पीएसएल के लिए शामिल किया गया था पर इस क्रिकेटर ने आईपीएल में खेलने के लिए पीएसएल छोड़ दिया। इसपर नाराजगी जताते हुए पीसीबी ने इस क्रिकेट के अगले

एक साल तक पीएसएल में खेलने पर पाबंदी लगा दी है। इस क्रिकेटर को पीएसएल में पेशावर जाल्मी ने अपनी टीम में शामिल किया था पर उसने आईपीएल के लिए करार तोड़ दिया। बॉश को आईपीएल में तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह मिली थी। विलियम्स चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गये थे। पीसीबी ने बॉश पर प्रतिबंध की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह अगले साल पीएसएल में चयन के लिए अयोग्य होंगे। बॉश ने हालांकि करार तोड़ने के लिए माफी मांगी है। एक बयान में इस क्रिकेटर ने कहा, मुझे पीएसएल से हटने के अपने फैसले पर गहरा अफसोस है और मैं पाकिस्तान के लोगों, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों सभी से से माफी मांगता हूं। बॉश ने कहा, पीएसएल एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, और मैं अपने फैसले से टीम और उसके प्रशंसकों को हुई निराशा को पूरी तरह से समझता हूं। पेशावर जाल्मी के वफादार प्रशंसकों के लिए, मुझे आपको निराश करने के लिए वास्तव में खेद है। मैं अपने कार्यों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और जुर्माना और एक साल के प्रतिबंध को स्वीकार करता हूं।

## कोहली ने प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ा, एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर में बनेंगे निदेशक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने स्पोर्ट्स ब्रांड प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ दिया है। विराट ने साल 2017 में प्यूमा के साथ करीब 110 करोड़ रुपये के एक करार पर हस्ताक्षर किए थे। प्यूमा ने विराट को इस करार को अगले आठ साल के लिए 300 करोड़ रुपये में आगे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था पर विराट ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कंपनी उन्हें हर साल 37 करोड़ से ज्यादा, महीने के तीन करोड़ और हर दिन के 10 लाख रुपये देने को तैयार थी पर विराट तैयार नहीं हुए। वह अब एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर कंपनी में निवेशक की भूमिका संभालेंगे। इस कंपनी की स्?थापना 2023 में प्यूमा इंडिया के साउथईस्ट एशिया के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक गांगुली ने की थी। विराट सबसे अधिक कमाई करने वालों में शामिल हैं और उनकी नेट वर्थ 1050 करोड़ रुपये के करीब है। प्यूमा इंडिया ने कोहली के साथ साझेदारी खत्म होने की पुष्टि करते हुए कहा, 'प्यूमा विराट को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है। हमारे बीच कई वर्षों की यादगार साझेदारी रही, जिसमें बेहतरीन कैंपेन और प्रोडक्ट कोलैबोरेशन शामिल रहे। कंपनी आने वाले समय में नए एथलीट्स पर निवेश करती रहेगी और भारत में खेलों के ढ़ांचे को और मजबूत बनाने की दिशा में काम जारी रखेगी।' अब कोहली का ध्यान अपने लाइफस्टाइल और एथलीजर ब्रांड वन 8 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने का है। एगिलिटास के साथ करार के जरिए कोहली का लक्ष्य है कि वे वन8 को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

## वनडे क्रिकेट में इस नियम में बदलाव पर हो रहा विचार, तेंदुलकर-ली पहले ही बता चुके हैं खतरनाक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के इस्तेमाल के साथ नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रहा है, ताकि गेंदबाजों के लिए खेल को संतुलित किया जा सके। मौजूदा खेल परिस्थितियों (पीसी) का पूर्ण उलटफेर नहीं है, लेकिन संभावित बदलाव गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग की संभावना को फिर से पेश करके बढ़त देने के लिए बनाया गया है। इसके अतिरिक्त ICC टेस्ट मैचों के लिए इन-गेम क्लॉक शुरू करने पर विचार कर रहा है, ताकि ओवर रेट को नियंत्रित करने में मदद मिल सके और पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप को टी20 प्रारूप में बदलने के विचार का भी मूल्यांकन कर रहा है। जिम्बाब्वे में ICC बैठकों के दौरान इस सिफारिश की समीक्षा की जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार वनडे में दूसरी नई गेंद को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का प्रस्ताव ICC क्रिकेट समिति की ओर से आया है। सुझाए गए बदलाव के अनुसार टीमें दो नई गेंदों के साथ शुरुआत करेंगी, लेकिन 25 ओवर के बाद से उन्हें एक नई गेंद चुननी होगी। इसका मतलब यह है कि नियम को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा रहा है, लेकिन इससे रिवर्स स्विंग को फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी, एक ऐसी सुविधा जो दो नई गेंदों पर लंबे समय तक चमकने के कारण गायब हो गई थी।

दो गेंदों के नियम की काफी आलोचना हुई है, जिसमें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज इसे खेल के लिए हानिकारक बताते हैं। तेंदुलकर ने तर्क दिया कि दो नई गेंदों का उपयोग करने से वे इतनी पुरानी नहीं हो पातीं कि रिवर्स स्विंग की अनुमति मिल सके, जो विशेष रूप से अंतिम ओवरों के दौरान एक महत्वपूर्ण कौशल है। उन्होंने लंबे समय से वनडे में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन की वकालत की है।

तेंदुलकर ने कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी में कहा था, 'वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों का होना आपदा का एक आदर्श नुस्खा है क्योंकि प्रत्येक गेंद को रिवर्स करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता है। हमने लंबे समय से डेथ ओवरों का अभिन्न अंग रिवर्स स्विंग नहीं देखा है।'

पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भी इस मामले पर तेंदुलकर के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। सौरव गांगुली के नेतृत्व में क्रिकेट समिति ने गहन मूल्यांकन किया है। अतीत में, सफेद गेंद अक्सर 35वें ओवर तक खराब हो जाती थी या अपना रंग खो देती थी, जिससे अंपायर इसे बदलने के लिए मजबूर होते थे। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, एक गेंद का उपयोग पारी के अंत तक 37-38 ओवर तक किया जा सकता है, जबकि मौजूदा व्यवस्था के अनुसार दोनों गेंदों का उपयोग केवल 25 ओवरों के लिए किया जाता है।

चर्चा के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण नियम टेस्ट क्रिकेट में उलटी गिनती घड़ियों का उपयोग है, जो ओवरों के बीच 60 सेकंड की सीमा निर्धारित करती है। ये घड़ियां पहले से ही सीमित ओवरों के प्रारूप में उपयोग में हैं और मैचों को गति देने में मदद करती हैं। ICC

क्रिकेट समिति का लक्ष्य इस कदम के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि टेस्ट मैचों में प्रत्येक दिन 90 ओवर फेंके जाएं। ICC पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप के प्रारूप में बदलाव पर भी विचार कर रहा है अब तक खेले गए दो संस्करण - 2023 (दक्षिण अफ्रीका) और 2025 (मलेशिया) - दोनों में छोटे प्रारूप का उपयोग किया गया है। पुरुषों के संस्करण के लिए कोई भी प्रारूप परिवर्तन केवल 2028 प्रसारण चक्र से प्रभावी होगा।

## घरेलू मैदान में सबसे अधिक मैच हारने वाली टीम बनी आरसीबी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने घरेलू मैदान पर टीम की हार पर निराशा जताई हैं। पाटीदार ने कहा कि बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से टीम के हाथों से जीत निकल गयी। आरसीबी ने इस मैच में पहले खेलते हुए 163 रन बनाये। इसके बाद वह अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी हालांकि उसके गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत करते हुए दिल्ली के 30 रनों पर ही तीन विकेट गिरा दिये थे। इसके बाद के एल राहुल के 93 रनों की पारी से मैच बदल गया। इस प्रकार आरसीबी को अपने घरेलू मैदान पर 45वीं हार मिली है। इस प्रकार वह अपने घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा 45 मैच हारने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली है। वह अपने घरेलू मैदान पर 44 मैच हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर 38 के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स है। टीम को मिली हार के लिए पाटीदार ने बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया और कहकिा जिस तरह से हमने विकेट को देखा। उससे वह काफी अलग निकला, हमें लगा कि यह एक अच्छा बल्लेबाजी विकेट है पर अहम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। एक विकेट पर 80 रनों से 4 विकेट पर 90 रन पर पहुंच जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमारे पास अच्छे बल्लेबाज थे पर हम अपनी स्थिति का सही आंकलन नहीं कर पाये। पाटीदार ने हालांकि टिम डेविड के प्रदर्शन की तारीफ की है।

## पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की वापसी, अब टीम में निभाएगी ये भूमिका

**ब्रिसबेन (एजेंसी)।** सात बार की विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2027 की तैयारियों को लेकर 26 सदस्यीय टीम के लिए सहायक कोच और मेंटर के रूप में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई हैं। लैनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में लैनिंग अपने नाम वाली टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगी, हालांकि वह ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट परिसर के शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों के साथ काम करेंगी।

यह समूह अप्रैल के अंत में तीन टी-20 मैचों के लिए एकत्रित होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2027 टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रहा है और इस दौरान खिलाड़ी अपने खेल में सुधार करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिएअलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। इस सीरीज के लिए चयन को वाईएसपी द्वारा राज्य और क्षेत्रीय संघों के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन का मानना है कि लैनिंग का जुड़ना अगली पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीखने और अपने भविष्य को बदलने वाला अवसर है। थॉम्पसन ने कहा, 'यह हमारे सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में से एक से क्रिकेट के गुर सीखने का अविश्वसनीय अवसर है।'

## बेटे से नहीं मिल पाने से दुखी हैं धवन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन ने कहा है कि वह अपने बेटे से पिछले दो साल से नहीं मिल पाने से दुखी हैं। धवन का कहना है कि पत्नी आयशा से तलाक के बाद उनके लिए अपने बेटे से बात करना भी संभव नहीं हो रहा है। ये उनके लिए एक कठिन समय है। इसका कारण है कि उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया गया है। भावुक हुए धवन ने कहा, मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं। मुझे उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। अगर वो मैसेज ना भी पढ़े तो भी कोई परेशानी नहीं है। उससे संपर्क करने की कोशिश करना मेरा काम है और मैं ये करता रहूंगा। साथ ही कहा कि उनके बेटे की उम्र अब 11 वर्ष हो गई है। अपने बेटे से जुड़ाव महसूस करने के लिए वो आध्यात्मिकता का सहारा लेते है। शिखर धवन ने कहा कि मैंने दो साल पहले अपने बेटे को देखा था। एक साल पहले उससे अंतिम बार मेरी बात हुई थी। ये समय काफी मुश्किल रहा है। मगर इस तरह भी जीना सीख जाते है। मैं उसे याद करता हूं और आध्यात्मिक तौर पर उससे बात भी करता हूं। इससे मुझे लगता है कि मैं उसे गले लगा रहा हूं। मैं आध्यात्मिक रूप से इसमें ही अपनी ऊर्जा लगाता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरीके से अपने बेटे को वापस पा सकूंगा। गौरतब है कि धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी के तलाक के बाद से ही बेटे जोरावर की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच लंबे समय तक मुकदमा चला था। तब धवन ने काफी कोशिश की थी कि वो अपने बेटे को अपने पास रख सकें पर उन्हें सफलता नहीं मिली और आयशा बेटे को लेकर अपने घर ऑस्ट्रेलिया चली गयी।

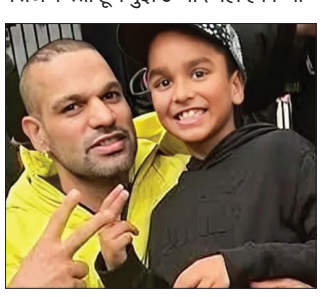

# हरियाणा सरकार ने दिए विकल्प, विनेश फोगट ने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना

**कोलकाता (एजेंसी)।** चंडीगढ़ = पहलवान से राजनेता बनी विनेश फोगट ने हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में उन्हें ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ की पेशकश करने के बाद नकद पुरस्कार चुना है, जिसमें उन्हें विभिन्न विकल्पों में से चुनने के लिए कहा गया है। 30 वर्षीय फोगट को 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

तीन बार की ओलंपियन ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले साल कांग्रेस के टिकट पर जींद जिले के जुलाना से हरियाणा विधानसभा चुनाव में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। हाल ही में हरियाणा सरकार ने अपनी खेल नीति के तहत फोगट को तीन विकल्प दिए। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना। उन्होंने अपने फैसले की जानकारी देने के लिए मंगलवार को राज्य के खेल विभाग को एक पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि हरियाणा मंत्रिमंडल ने राज्य की खेल नीति के तहत फोगट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ देने का फैसला किया है। राज्य की खेल नीति तीन तरह के लाभ प्रदान करती है जिसमें 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' के तहत एक उत्कृष्ट खिलाड़ी (ओएसपी) की नौकरी और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का प्लॉट शामिल था।

सरकार ने हाल ही में उनसे उस लाभ के बारे में वरीयता मांगी थी जिसका वह लाभ उठाना चाहती थीं। मार्च में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान फोगट ने सैनी को पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के बाद पदक विजेता की तरह उनका सम्मान करने के उनके वादे की याद दिलाई थी।

उन्होंने विधानसभा में कहा, 'मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे ओलंपिक रजत पदक विजेता के रूप में पुरस्कार मिलेगा। यह वादा अभी भी पूरा नहीं हुआ है। यह पैसे की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। पूरे राज्य से कई लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे नकद पुरस्कार मिलना चाहिए था।% सैनी ने कहा कि

प्रक्रियागत निर्णय के कारण फोगट को पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। फोगट को ÷हरियाणा का गौरव÷ बताते हुए मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि वह उनके सम्मान को कम नहीं होने देंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

# शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।

स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे ।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

**संकट कटे मिटे सब पीरा**
**जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।**

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

## मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

## हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

## सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ऊँ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम :।
ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ऊँ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ऊँ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ऊँ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ऊँ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात।।

## इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

## शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

# हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत : धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

## हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

## हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

**दोहा**

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

**स्तुति**

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल :।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम :॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन :।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन :।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

## भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

## रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

## हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

## परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होगीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# चिराग ने किया जाति जनगणना का समर्थन, तेजस्वी को बताया छोटा भाई

### क्या नीतीश की तरह ही चिराग एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स कर रहे

**पटना (एजेंसी)।** चिराग पासवान ने बिहार चुनाव से पहले कास्ट सेंसस का खुलकर सपोर्ट किया है। ये बात इसलिए महत्वपूर्ण है, कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना के लिए जोरदार मुहिम चला रहे हैं। गुजरात में हुए कांग्रेस अधिवेशन में भी राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना कराने की बात कही है। 2025 में बिहार के तीन दौरे कर चुके राहुल गांधी ने नीतीश कुमार के जातिगत गणना को फर्जी बताया था।

जातिगत जनगणना के पैरोकार लालू यादव भी हैं और राहुल गांधी की सक्रियता के कारण कहीं न कहीं टकराव की भी नौबत आ रही है। वहीं पीएम मोदी के हनुमान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लालू यादव की राजनीति को भी निशाने पर लिया है और ये जताने की कोशिश की है कि वह मुस्लिम-यादव की राजनीति को भी सही नहीं मानते हैं। चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की ये कहते हुए वकालत की है कि ऐसा होने से सरकार को लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए आंकड़े मिल जाएंगे।

खास बात ये है कि चिराग कतई नहीं चाहते कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। उनका कहना है कि अगर जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए तो जातिवाद को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ये विरोधाभासी लग सकता है कि मैं जाति की राजनीति को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन जातिगत जनगणना का समर्थन जरुर करता हूं।

लालू परिवार के साथ रिश्तों को लेकर चिराग ने कहा कि कि उनके परिवार के रिश्ते लालू परिवार से हमेशा अच्छे रहे हैं और मैं खुले मंच पर ये बात कहता भी रहा हूंज्मैंने इसे कभी छिपाया भी नहीं हैज्जैसे रिश्ते मेरे पिता के वक्त थे, वैसा आज भी हैज्तेजस्वी को मैं अपना छोटा भाई मानता हूं। लालू यादव की मुस्लिम-यादव पॉलिटिक्स को राजनीति के रूप में जाना जाता है। चिराग का कहना है कि मेरे लिए इसका का अलग मतलब है। मेरे 5 सांसदों में से 2 महिलाएं हैंज्मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करता हूंज्जैसे ही बिहारी बिहार से बाहर निकलते हैं और जाति से बाहर निकलते हैं, वे हर फील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। चाहे वह मीडिया क्षेत्र हो, कॉर्पोरेट हो या फिर नौकरशाही।

कास्ट सेंसस की पैरवी तो चिराग पासवान को राहुल गांधी की तरफ ले जाती है और ऐसा लगता है वो भविष्य में तेजस्वी यादव के साथ जाने का भी इशारा कर रहे हैं। लेकिन, मुस्लिम-यादव फैक्टर की उनकी नई परिभाषा तेजस्वी के खिलाफ जाती है, बल्कि उसमें मोदी के मन की बात भी छिपी हुई लगती है।



चिराग पासवान भी लगता है, नीतीश कुमार की तरह एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स करने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे भी, बीजेपी और नीतीश कुमार की वजह से चिराग ने जो फजीहत झेली है, वह भूल पाना तो उनके लिए मुश्किल ही होगा। वह कहते हैं अगर आप अपने आपको मजबूत रखते हैं, तो कोई आपको निगल नहीं सकता।

## वक्फ कानून पर एनडीए में दिखी दरार, साथी दल ने कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। नया वक्फ कानून बनकर तैयार हो गया है और 18 अप्रैल से इसे लागू करने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे पहले एनडीए के घटक दल नेशनल पीपुल्स पार्टी इंडिया (एनपीपी) के नेता व मणिपुर के क्षेत्रगाओ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक शेख नूरुल हसन ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। इसके अलावा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए, इसे रद्द करने की मांग की है। मणिपुर में एनडीए के घटक एनपीपी के विधायक हसन ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपनी याचिका में वक्फ कानून में किए गए उस बदलाव पर चिंता जाहिर की है, जिसमें इस्लाम का पालन करने वाले अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को अपनी संपत्ति वक्फ को देने से वंचित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यह उनके अपने धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में कहा गया वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की धारा 3ई अनुसूचित जनजाति के सदस्यों (पांचवीं या छठी अनुसूची के तहत) के स्वामित्व वाली भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने से रोकती है। एनपीपी विधायक ने अपनी याचिका में कानून में किए गए संशोधन न सिर्फ मनमाना है बल्कि मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों को नियंत्रित करने का प्रयास है। याचिका में कहा गया है कि कानून में किए गए संशोधन मनमाने प्रतिबंध लगाता है और इस्लामी धार्मिक बंदोबस्तों पर राज्य नियंत्रण बढ़ाता है। याचिका में कहा कि वक्फ कानून में किए गए बदलाव वक्फ के धार्मिक चरित्र को विकृत करेंगे और साथ ही वक्फ और वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएंगे।

## किश्तवाड़ में मुठभेड़ दौरान एक आंतकी की मौत

किश्तवाड़(एजेंसी)। किश्तवाड़ के छतरू में जारी मुठभेड़ दौरान सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। इस दौरान एक आतंकी के इंकाउटर की सूचना मिली है। इसकी पुष्टि खुद अधिकारियों ने की है। छतरू के जंगली क्षेत्र में 9 अप्रैल को संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था। तभी शाम के समय जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, इसके जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां चलाईं और मुठभेड़ शुरू हो गई।

## सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा, 18 घंटों से भूखे-प्यासे बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के गुरुद्वारों के दर्शन के लिए दिल्ली से रवाना हुए सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत से करीब करीब 6,000 सिख श्रद्धालु सुबह 6 बजे से वाघा बॉर्डर पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अभी तक पाकिस्तानी प्रशासन की ओर से इजाज़त नहीं मिली है। इसमें से 288 श्रद्धालु अब भी बॉर्डर पर भूखे-प्यासे बैठे हैं और उन्हें न पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई सुविधा दी गई है और न ही पाकिस्तान गुरुद्वारा कमेटी का कोई प्रतिनिधि वहाँ मौजूद है। श्रद्धालुओं को पिछले 18 घंटों से ना खाना मिला है और ना ही पीने का पानी, जिससे उन सभी में भारी रोष है। यह स्थिति पाकिस्तान सरकार की गंभीर नाकामी को दिखाती है। श्रद्धालु बेहद असहाय महसूस कर रहे हैं और भारत सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों और संगठनों से अपील की जा रही है कि वे इस मामले को संज्ञान में लें और श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द राहत पहुंचाए।

## रिहाइशी बिल्डिंग में आग लगने से मची अफरातफरी, गुजरात के गृह राज्यमंत्री का भी है बिल्डिंग में घर

सूरत (एजेंसी)। शहर के वेसू इलाके में आग लगने की घटना सामने आई है। वेसु इलाके में एक आलीशान फ्लैट में तड़के अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग उसी बिल्डिंग में लगी, जहां गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही हर्ष संघवी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए। जानकारी के मुताबिक सूरत के वेसू इलाके में हैप्पी एन्क्लेव की सातवीं मंजिल पर आग लग गई। सातवीं मंझिल पर लगी आग की चपेट में तीन मंझिलें आ गईं। आग इतनी विकराल थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 10 टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। इस दुर्घटना में कुल 18 लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के समय 15 लोगों को छत पर ले जाया गया था। अग्निशमन कर्मियों ने सभी लोगों को कपड़े से ढक दिया और उन्हें नीचे उतारा। वहां अग्निशमन व्यवस्था तो थी, लेकिन बड़ी दमकल गाड़ियों का परिसर में प्रवेश करना कठिन था। बताया जाता है कि नौवीं मंजिल पर फर्नीचर का काम चल रहा था, जहां लकड़ी, पीओपी, प्लाईवुड और फाइबर सामग्री रखी गई थी। जिसके कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इतना ही नहीं, आग नौवीं मंजिल से 10वीं और 11वीं मंजिल तक पहुंच गई थी। जानकारी के मुताबिक यह बिल्डिंग नवनिर्मित है। जिसके चलते नए मकान के अंदर नया फर्नीचर लगा होने के कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। गृहमंत्री हर्ष संघवी की सोसायटी में जब आग लगी तो मेयर और कमिश्नर समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

## दिल्ली में जिम जाते समय प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पश्चिम विहार में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की गई है। शुक्रवार सुबह इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। राजकुमार दलाल नाम के कारोबारी की हत्या तब हुई जब वह अपनी फॉर्च्यूनर कार में बैठकर जिम जा रहे थे। दिल्ली पुलिस को एसबीआई कॉलोनी के सामने एक गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तुरंत राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया जहां, डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि राजकुमार को निशाना बनाकर 8-10 राउंड फायरिंग की गई। हत्या किसने और क्यों की यह अभी साफ नहीं है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के द्वारा हमलावरों की पहचान शुरू की है। कारोबारी दलाल अपने घर से निकलकर कुछ ही दूर गए थे, कि हमलावरों ने गाड़ी के सामने आकर फायरिंग शुरू कर दी।

## कोलकाता हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा बंगाल में कब शुरू होगी मनरेगा योजना

कोलकाता (एजेंसी)। जनहित की योजना मनरेगा को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना को आखिर कब से फिर से शुरू किया जाएगा। अदालत ने साफ कहा कि फंड को हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और जस्टिस चैताली चटर्जी की बेंच ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब पूरे राज्य में गड़बड़ी केवल चार जिलों में हुई है, तो बाकी जिलों में योजना क्यों न शुरू की जाए?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चार जिलों हुगली, पूर्व बर्दवान, मालदा और दार्जिलिंग जीटीए में गड़बड़ी पाई गई थी। खुद राज्य सरकार ने भी इस बात को माना है। राज्य सरकार ने बताया कि इन चार जिलों में से 2.37 करोड़ रुपये वापस वसूल लिए गए हैं। जबकि कुल गड़बड़ी 5.37 करोड़ की थी। केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि 15 जिलों की जांच की गई है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि उसके पास जो दस्तावेज हैं, वे सिर्फ चार जिलों की जानकारी देते हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या बाकी जिलों में भी ऐसी ही सिफारिशें की गई थीं? और अगर नहीं, तो योजना को फिर से शुरू क्यों न किया जाए?

## कंगना ने बिजली बिल को लेकर कहा- मेरे घर में कोई फैक्ट्री नहीं चल रही

### -एक लाख के बिजली बिल को लेकर हो रही बयानबाजी

**मंडी (एजेंसी)।** भाजपा सांसद कंगना रनौत को लगभग एक लाख का बिल थमा था। इससे भड़की रनौत ने पूछ लिया कि क्या मेरे घर कोई फैक्ट्री चल रही है। अपने गृह क्षेत्र सरकाघाट में जन संपर्क अभियान के दौरान कंगना ने कहा कि मनाली स्थित उनके घर में पहले 5-6 हजार के करीब ही बिल आता था, लेकिन अब वही बिल 80-90 हजार आ रहा है। कंगना ने कहा कि 6 बेडरूम वाले उस घर में अधिकतर समय 3-4 नौकर के अलावा और कोई नहीं रहता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उस घर में अलग से न तो उन्होंने कोई फैक्ट्री लगाई है और न ही काई घराट वहां लगा है। फिर बिजली का बिल 5 हजार से 90 हजार कैसे पहुंच गया।

बिजली के इन भारी भरकम बिलों से परेशान होने वाली वह अकेली नहीं है। प्रदेश के ऐसे कई व्यावसायी हैं जो सुक्खू सरकार के कार्यकाल में एक से डेढ़ लाख रुपये बिजली बिल आने से परेशान हैं। सरकाघाट में अपनों के बीच पहुंची कंगना ने चुनावों के समय सरकाघाट से मिली कम लीड़ को लेकर नाराज भी नजर आयी। कंगना ने विक्रमादित्य सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा रामपुर का बेटा होने के नाते राजा बाबू को उनके क्षेत्र की जनता ने सबसे ज्यादा लीड़ दी है। जबकि सरकाघाट की बेटी होने के नाते उन्हें जो अपेक्षाएं थी, वह अधूरी रह गई। आगे मजाकिया अंदाज में कंगना ने कहा कि यदि विक्रमादित्य सिंह राजा बाबू है, तो उन्हें भी क्वीन कहा जाता है। वह भी किसी से कम नहीं है, लेकिन सरकाघाट से लीड़ न मिलने का मलाल उन्हें रहेगा।

मौके पर कंगना रनौत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह को घेरते हुए कहा कि प्रतिभा सिंह कहती हैं कि कंगना रनौत 3 सालों से मंडी संसदीय क्षेत्र से गायब है। जबकि उनको सांसद बने हुए अभी मात्र 8 महीने का समय भी पूरा नहीं हुआ है। छोटे से इस कार्यकाल में वह भरमौर तक का दौरा करने के साथ 4 करोड़ की धनराशि भी सांसद निधि से बांट चुकी हैं, जबकि प्रतिभा सिंह सांसद रहते हुए सांसद निधि से एक पैसा तक खर्च नहीं कर पायी हैं।

## 'बिहार में हर कोई बदलाव चाहता है', प्रशांत किशोर का दावा, जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग

**पटना (एजेंसी)।** अपनी पहली रैली से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लोग बदलाव चाहते हैं। जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़ा था जिसमें वे अपना खाता खोलने में विफल रहे। अपनी 'बदलाव रैली' किशोर ने कहा कि लोग बिहार में एक 'विकल्प' चाहते हैं, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की संस्कृति दूसरों से अलग है।

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज़्यादा सुना- बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। वे बिहार में शिक्षा और नौकरियों के बारे में बात करना चाहते हैं। जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग है। आप हमारे कार्यकर्ताओं को जबरन वसूली, लूटपाट और मारपीट करते नहीं पाएंगे। वे अपना कार्यक्रम अनुशासित तरीके से करेंगे।'

पटना के गांधी मैदान में रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व पर जोर देते हुए किशोर ने कहा, 'जनता से हमारा संवाद जारी रहेगा लेकिन आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में जन सुराज के गठन के बाद यह पार्टी की पहली बैठक है। हम गांधी मैदान में एक साथ बैठेंगे।' रैली के बारे में आगे बोलते हुए, किशोर ने कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर 'प्रभाव' पड़ेगा और लोग जन सुराज को 'मजबूत विकल्प' के रूप में देखेंगे। किशोर ने कहा, 'इस रैली का बिहार की राजनीति पर इस तरह प्रभाव पड़ेगा कि बिहार के लोग जो विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को चुन रहे थे, वे अब जन सुराज के रूप में एक मजबूत विकल्प देख सकते हैं और इस पर उनका भरोसा मजबूत होगा।'

## संजय राउत का दावा: सरकार बिहार चुनाव के दौरान राणा को देगी फांसी

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों का साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार बिहार चुनाव के दौरान ऐसा करेगी। राणा को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कराने के बाद भारत लाया गया है और फिर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा को गुरुवार को एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जिससे कई दिन से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि उसे कब और कैसे प्रत्यर्पित किया जाएगा। राउत ने मांग की कि कुलभूषण जाधव को वापस लाया जाए। जाधव को 2016 में गिरफ्तार कर लिया गया था और कथित जासूसी के लिए पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज किया था।

नई दिल्ली के मुताबिक जाधव को ईरान में अगवा किया गया था, जहां उनके वैध व्यापारिक हित थे और उन्हें पाकिस्तान लाया गया। जाधव को बचाने के लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय अदालत का रुख किया, जिसने पाकिस्तान को उनकी फांसी पर रोक लगाने का आदेश दिया था। राउत ने कहा कि राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए लेकिन उसे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान फांसी दी जाएगी। राउत ने कहा कि राणा को भारत लाने के लिए 16 साल से लड़ाई चल रही थी और यह कांग्रेस के शासन के दौरान शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा कि इसलिए राणा को वापस लाने का श्रेय किसी को नहीं लेना चाहिए। राउत ने कहा कि राणा भारत प्रत्यर्पित होने वाला पहला आरोपी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 1993 के सिलसिलेवार बम विस्फोट के आरोपी अबू सलेम को भी भारत प्रत्यर्पित किया गया था। उन्होंने यह भी मांग की कि आर्थिक भगोड़े नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किया जाए।

## मुंबई में दुनिया का सबसे बड़ा मनोरंजन उद्योग होगा- मुख्यमंत्री

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य में रेलवे परियोजनाओं और अन्य विकास कार्यों के संबंध में मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस मुंबई के बीकेसी स्थित जियो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज महत्वपूर्ण कार्य प्रारम्भ हो रहा है। गोंदिया-बल्लारशाह रेलवे लाइन के दोहरीकरण से छत्तीसगढ़ के साथ व्यापार बढ़ सकता है। रेलवे राज्य में 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसके अलावा, राज्य के 132 रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। हमें रेल बजट में 24,700 करोड़ रुपये मिले हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट का शुभारंभ किया जाएगा और 10 दिवसीय यात्रा शुरू होगी। वर्तमान में हम भारत की मनोरंजन राजधानी हैं, लेकिन जल्द ही



मुंबई को विश्व मनोरंजन राजधानी बनाने का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत का सबसे बड़ा और प्राथमिक रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान, यानी भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), मुंबई में स्थापित किया जाएगा। मुंबई में फिल्म सिटी के पास इस संस्थान के लिए एक स्थान की पहचान की गई है और इस भव्य परियोजना को केंद्र सरकार, राज्य सरकार और फिक्की जैसे अग्रणी संगठनों के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसके लिए केंद्र सरकार के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह संगठन मुंबई को न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर रचनात्मक उद्योग का केंद्र बनाएगा। यहां पोस्ट-प्रोडक्शन, स्टूडियो, फिल्म प्रौद्योगिकी, एनीमेशन और विजुअल इफेक्ट्स जैसी आधुनिक सेवाओं और अध्ययनों का विश्व स्तरीय केंद्र स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर यह भी स्पष्ट किया कि यह भव्य रचनात्मक स्थान मालाड में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आईएनबी) के स्वामित्व वाली लगभग 240 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। इस योजना में केन्द्र और राज्य सरकारें सह-निर्माण मॉडल के माध्यम से मिलकर काम करेंगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं से न केवल देश में बल्कि दुनिया में भी मनोरंजन उद्योग में एक प्रमुख केंद्र के रूप में मुंबई की स्थिति मजबूत होगी।

## शर्ट के बटन खोलकर पहुंचे वकील ने जज को कहा गुंडा, कोर्ट ने 6 माह के लिए भेजा जेल

**प्रयागराज (एजेंसी)।** भरी अदालत में सुनवाई के दौरान वकील साहब गुस्से में तमतमाते हुए जज के सामने खुले बटन की शर्ट पहनकर पहुंच गए। एडवोकेट अशोक पांडे को जज के प्रति ऐसा रवैया भारी पड़ गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वकील को 6 महीने जेल की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माना भी लगाया है। खबर है कि पांडे ने सुनवाई के दौरान जजों को गुंडा कह दिया था। इसके अलावा अदालत ने उनके पहनावे पर भी सवाल उठाए थे, जिसके जवाब में पांडे नाराज हो गए थे। कोर्ट ने पांडे को अदालत की आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया है। कोर्ट ने आदेश दिया, अवमानना करने वाले को 6 महीने की कैद और 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। अगर आज से 1 महीने के अंदर जुर्माना देने में असफल रहते हैं, तो उन्हें एक और महीने की सजा काटनी होगी। अवमानना करने वाले को इस फैसले के चार सप्ताह के अंदर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ के सामने सरेंडर करने के आदेश दिए जाते हैं। इस मामले में आगे की सुनवाई 1 मई को होगी। मौजूदा फैसला 18 अगस्त 2021 में हुई एक सुनवाई से जुड़ा हुआ है। तब पांडे जस्टिस ऋतुराज अवस्थी और जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की बेंच के सामने पेश हुए थे। हाईकोर्ट ने कहा कि तब पांडे गलत पहनावे के साथ अदालत में आए थे और उनकी शर्ट के बटन खुले हुए थे। जब बेंच ने उन्हें उचित कपड़े पहनने की सलाह दी थी, तो उन्होंने इनकार कर दिया। साथ ही अदालत से सभ्य पहनावे का मतलब पूछ लिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अब जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस बृजराज सिंह की बेंच सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने पाया कि पांडे कई मौकों पर न्यायपालिका का अपमान कर चुके हैं। अदालत ने कहा, बार-बार ऐसे बर्ताव से पता चलता है कि वह न सिर्फ गुमराह हैं, बल्कि जानबूझकर ऐसे पैटर्न को अपना रहे हैं जिसके जरिए इस अदालत के अधिकार को कमजोर किया जाए। आगे कहा गया, वह अदालत के आदेशों की अवहेलना करना जारी रखते हैं और अपनी गलतियां स्वीकार करने से इनाकर करते हैं। साथ ही उनमें सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।10 अप्रैल के आदेश में बेंच ने पाया कि पांडे की तरफ से अवमानना के आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। बेंच ने कहा, न कोई हलफनामा दाखिल किया गया है और न ही कोई सफाई दी गई है।

## दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी से मिलेगी राहत, हो सकती है बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पिछले 24 घंटे में दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण दिल्ली में अगले दो दिनों तक हल्की बारिश और गरज के साथ तेज हवाओं के चलने की संभावना है। बिहार और यूपी के कई जिलों में बारिश हो सकती है। आसमान में बादल, हल्की बूंदाबांदी और तेज हवाओं ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है।

मौसम विभाग में दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया है। अगले 48 घंटे तक दिल्ली एनसीआर में बारिश हो सकती है साथ ही मौसम विभाग ने बताया कि देश की राजधानी में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार को भी चिलचिलाती धूप के बाद शाम को मौसम ने अचानक करवट ली और हल्की बारिश और हवाओं ने मौसम को सुहाना बना दिया। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार और शनिवार को अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक दिल्ली एनसीआर के अलावा पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में भारी बारिश की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु और केरल में अगले दो दिनों तक अच्छी बारिश हो सकती है। साथ ही मौसम विभाग में बताया कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली के साथ तेज हवाओं और कुछ स्थान पर ओले गिर सकते हैं। वहीं कई राज्यों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तटीय राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश कर्नाटक तेलंगाना में भी तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र, तमिलनाडु तट, श्रीलंका तट और उससे दूर और दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में 35 किमी प्रति घंटे से 45 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### माइक हकाबी की नए राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर इस्राइली पीएम ने दी बधाई

**येरूशलम, एजेंसी।** इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र माइक हकाबी की इस्राइल में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर बधाई। यह इस्राइल-अमेरिका गठबंधन के लिए एक महान दिन है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, मैं हमारे दोनों देशों के बीच अटूट बंधन को और भी मजबूत बनाने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सीनेट ने 53-46 वोटिंग से अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हुकाबी को ट्रंप के इस्राइल में राजदूत के रूप में पुष्टि की। उनके नाम पर ये सहमति तब बनी है जबकि हाल ही में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस की यात्रा की थी। माइक हुकाबी को इस्राइल के कट्टर समर्थक के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति ट्रंप के गाजा में इजराइल-हमास युद्ध, लेबनान में हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और ईरान द्वारा इजराइल को दी जाने वाली धमकियों को समाप्त करने के अब तक के असफल प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

### पोप फ्रांसिस ने किंग चार्ल्स III और क्वीन कैमिला से की मुलाकात

**वेटिकन, एजेंसी।** पोप फ्रांसिस ने बुधवार को वेटिकन में किंग चार्ल्स III और क्वीन कैमिला से निजी मुलाकात की, जो अपनी चार दिवसीय यात्रा के तहत इटली पहुंचे थे। पोप की अस्पताल से छुट्टी के बाद यह पहली बार मुलाकात हुई है। इस दौरान पोप ने किंग और क्वीन को उनकी 20वीं शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दी और किंग और क्वीन ने पोप की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान कुछ निजी उपहारों का आदान-प्रदान भी हुआ और भविष्य में किंग के वेटिकन दौरे को लेकर भी चर्चा हुई।

### पनामा अपनी धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डे को बर्दाश्त नहीं करेगा

**पनामा , एजेंसी।** पनामा के सुरक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि उनका देश पनामा में अमेरिका के सैन्य अड्डे को बनाने के किसी भी प्रस्ताव को खारिज कर देगा। गौरतलब है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री ने बुधवार को पनामा में अमेरिकी सैन्य अड्डा बनाने का सुझाव दिया था। इस पर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ मीडिया से बात करते हुए कहा है कि पनामा साफ कर चुका है कि हम अमेरिकी सैन्य अड्डे को अपनी धरती पर स्वीकार नहीं करेंगे।

### पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

**क्वेटा, एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल ख़त्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से 30 बोर की गोली के कई खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आतंकवाद की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

### इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने पीएम नेतन्याहू का फैसला रोका, खुफिया विभाग चीफ की बर्खास्तगी पर रोक लगाई

**येरूशलम, एजेंसी।** इजराइली सुप्रीम कोर्ट से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक खुफिया विभाग शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को बर्खास्त करने के कदम पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने आपसी समझौते को लेकर 20 अप्रैल तक की समय सीमा दी है। 11 घंटे तक चली बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट की पैनल ने कहा कि रोनेन फिलहाल अपने पद पर बने रहेंगे। विपक्षी दलों ने नेतन्याहू सरकार के शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को हटाने के फैसले को चुनौती दी थी। नेतन्याहू ने आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख को 'विश्वास की कमी' का हवाला देकर हटाने का फैसला किया था। फिलहाल पद पर बने रहेंगे रोनेन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिन बेट के प्रमुख को बर्खास्त करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता कमजोर होती है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के अंतिम फैसले तक किसी कार्यवाहक प्रमुख की नियुक्ति और नए खुफिया प्रमुख का ऐलान सरकार न करे। नेतन्याहू और रोनेन के बीच तनाव अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमास के आतंकियों के हमले और 'कतर गेट' के बाद से बढ़ता जा रहा है।

# फिलिस्तीन को अलग देश की मान्यता देगा फ्रांस, मैक्रों बोले- किसी को खुश करने के लिए ऐसा नहीं कर रहा

**पेरिस, एजेंसी।** राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस कुछ समय में फिलिस्तीन को अगल देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। फ्रेंच प्रेसिडेंट ने बुधवार को एक इंटरव्यू में बताया कि उनका मकसद इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को अंतिम रूप देना है। मैक्रों ने कहा कि हम मान्यता की दिशा में बढ़ना चाहते हैं, और हम ऐसा आने वाले महीनों में करेंगे। मैं ऐसा किसी को खुश करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं इसे इसलिए करूंगा क्योंकि किसी समय यह सही होगा। मैक्रों ने कहा कि मिडिल ईस्ट के देश भी इजराइल को मान्यता देंगे। हम उन लोगों के खिलाफ लड़ाई में हैं जो इजराइल के अस्तित्व को नकारते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस जून 2025 तक फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। इससे पहले फरवरी 2024 में मैक्रों ने कहा था कि फिलिस्तीन को मान्यता देना फ्रांस के लिए टैबू (वर्जित) नहीं है। मैक्रों पहले भी टू स्टेट सॉल्यूशन थ्योरी के पक्ष में रह चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 में से 146 देशों ने फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता दे रखी है। पिछले साल आर्मेनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका और बारबाडोस ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई अहम देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। इजराइल को मान्यता नहीं देने वाले देशों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, सीरिया और यमन शामिल हैं।

**टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थक रहा है फ्रांस :** फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सऊदी अरब के साथ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अध्यक्षता करें, जहां हम कई पक्ष इसे मान्यता दें। उन्होंने कहा कि मैं ये इसलिए करूंगा क्योंकि हमें लगता है कि ये करना सही होगा। फ्रांस द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इस्राइल के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकेगा। फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है।

**फ्रांस के फलस्तीन को मान्यता देने से हो सकते हैं बड़े बदलाव :** उल्लेखनीय है कि करीब 150 देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन आदि भी शामिल हैं। इस्राइल द्वारा 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद जिस तरह से गाजा में बम बरसाए जा रहे हैं और हजारों लोग मारे गए हैं, उसके बाद बीते साल जून में स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को मान्यता दे दी। हालांकि फ्रांस अगर फलस्तीन को मान्यता देता है तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा क्योंकि यूरोपीय संघ में फ्रांस एक अहम देश है। मिस्त्र दौरे पर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने गाजा को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाने का वादा किया था। मैक्रों ने तंज कसते हुए कहा कि गाजा पट्टी कोई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है।

**चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत : लन्दन, एजेंसी।** 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है। चीन के वैज्ञानिकों ने बुधवार को बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क हो सकता है। वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। पिछले साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' के सेन हू ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया। उन्होंने बताया कि चंद्रमा के निकटवर्ती भाग से पिछले दशकों में एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में इनमें पानी की प्रचुरता 1.5 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम से भी कम है। निकटवर्ती भाग से लिए गए नमूनों में यह मात्रा एक माइक्रोग्राम से लेकर 200 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम के बीच है। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

## भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप; टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुताबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है। बयान में कहा गया, न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक-मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है। बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

## बैसाखी के लिए पाकिस्तान ने भारतीय तीर्थयात्रियों को जारी किए 6,500 वीजा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान उच्चायुक्त ने 10 से 19 अप्रैल आयोजित होने वाले बैसाखी पर्व को लेकर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तानी कूटनीतिक मिशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1974 के धार्मिक स्थलों पर यात्रा प्रोटोकॉल के तहत वाजा जारी किए गए हैं। यहां गुरुद्वारों में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों में हर साल सैकड़ों भारतीय श्रद्धालु शामिल होते हैं।

## यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए: हूती विद्रोही

**सना, एजेंसी।** यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को मार गिराने का दावा किया। विद्रोहियों ने कहा कि मंगलवार रात होदेदा के अल-हवाक जिले में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए, मारे गए लोगों में से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। विद्रोहियों के 'अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज़ चैनल' द्वारा प्रसारित फुटेज में लोगों को घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाए जाते तथा बचावकर्मी अपने मोबाइल फोन की रोशनी में घायलों की खोज करते दिखाई दिए। हूती विद्रोहियों के अनुसार राजधानी सना के दक्षिण में अल-सबीन जिले को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए।

# सऊदी अरब में 14 नई जगहों पर तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार मिले

**दुबई, एजेंसी।** सऊदी तेल कंपनी अरामको ने देश के पूर्वी क्षेत्र और खाली क्वार्टर में 14 तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों और तेल भंडार की खोज की है। राज्य समाचार एजेंसी एसपीए ने बुधवार को कहा कि ये भंडार भले ही संख्या में अधिक हैं, लेकिन उनमें गैस और तेल की मात्रा कम है। घोषणा के अनुसार, छह क्षेत्रों और दो रिजर्वायर में विभिन्न ग्रेड के अरब तेल पाए गए, जिनकी कुल मात्रा 8,126 बैरल प्रतिदिन है।

गणना से पता चलता है कि दो क्षेत्रों और चार जलाशयों से प्राकृतिक गैस की खोज कुल 80.5 मिलियन मानक क्यूबिक फीट प्रति दिन (एससीएफडी) थी। तेल क्षेत्रों और जलाशयों से संबद्ध गैस 2.11 मिलियन एससीएफडी तक पहुंच गई। उत्पादक समूह ओपेक की मार्च की रिपोर्ट में द्वितीयक स्रोतों के अनुसार, दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक राज्य ने फरवरी में लगभग 9 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का उत्पादन किया।

**सऊदी के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार :** सऊदी अरब के पास दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसका अनुमान लगभग 267 बिलियन बैरल है, जो दुनिया के कुल भंडार का लगभग 16-17प्रतिशत है। सऊदी अरब के खोजे जा चुके तेल भंडार वेनेजुएला के बाद दुनिया में दूसरे सबसे बड़े हैं। वहीं, सऊदी अरब का अनुमानित तेल भंडार लगभग 267 बिलियन बैरल हैं। सऊदी अरब के भंडार ओपेक के सिद्ध भंडार का लगभग 22प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

सऊदी अरब के तेल भंडार को जानें सऊदी अरब के तेल भंडार के मुख्य क्षेत्रों में घावर फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा तटवर्ती तेल क्षेत्र) और सफानिया फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र) शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों को सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको संचालित करती है। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है। सऊदी अरब के पास प्राकृतिक गैस के महत्वपूर्ण भंडार भी हैं, जो घरेलू उत्पादन से अपनी सभी घरेलू खपत को पूरा करता है। सऊदी अरब में तेल की खोज 1938 में हुई थी।

## पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- जो मेरे लिए सही, वही चुना

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के साथ तलाक की खबरें चल रही हैं। अब इन्हें लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में मिशेल ओबामा ने कहा कि बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से उनकी अनुपस्थिति की वजह खुद पर ध्यान देना है न कि तलाक।

**बीते कई दिनों से चल रहीं थी तलाक की खबरें :** मिशेल ओबामा ने कहा कि अब मैं अपना कैलेंडर खुद नियंत्रित करती हूं। मैं खुद को यह आजादी कई वर्ष पहले भी दे सकती थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैंने बच्चों को बहाना बनाया और उन पर ध्यान दिया। गौरतलब है कि बराक ओबामा और मिशेल ओबामा एक आदर्श दंपति माने जाते हैं, लेकिन बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से मिशेल ओबामी की गैरमौजूदगी से दोनों के तलाक की खबरों को बल मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल ओबामा शामिल नहीं हुई थी। साथ ही जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी बराक ओबामा अकेले ही शामिल हुए थे।

**मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही था :** मिशेल ओबामा ने कहा कि मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही है, न कि वो, जो मुझे करना चाहिए था या दूसरे लोग मुझसे चाहते थे। मिशेल ने कहा कि तलाक की अटकलें, लोगों की महिलाओं की आजादी की मांग को स्वीकार नहीं करने की आदत के चलते उठीं। मुझे लगता है कि यही वजह चीज है, जिससे हम महिलाओं के रूप में जूझते हैं। लोग ये नहीं समझ पाए कि मैं खुद पर ध्यान देने का विकल्प चुन रही हूं, लेकिन लोगों ने मान लिया कि मैं तलाक ले रही हूं।

उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बीते दिनों स्वीकार किया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान वे अपनी पत्नी के साथ रिश्ते पर ध्यान नहीं दे पाए। अपनी किताब मेमोर बिकमिंग में भी दंपति ने बताया कि बराक ओबामा के राजनीतिक करियर के दौरान दोनों के रिश्तों में चिड़चिड़ापन आ गया था।

## विपक्षी नेता म्यांग ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में ठोका दावा, जनता से किया बड़ा वादा

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में तीन जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग भी दम दिखाएंगे। उन्होंने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। म्यांग ने कहा कि वे आर्थिक विकास के माध्यम से देश की स्थिति को ठीक करेंगे।

दक्षिण कोरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के मामले में पद से हटा दिया गया है। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग ने भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान किया है। ली 2022 में यून से मामूली अंतर से चुनाव हार गए थे। उन्होंने मार्शल लॉ की घोषणा के बाद पूर्व राष्ट्रपति को हटाने के लिए अभियान चलाया था। म्यांग ने चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है।

एक वीडियो संदेश में ली ने कहा कि यून के मार्शल लॉ की कहानी ने देश के गहरे विभाजन और सामाजिक संघर्षों को उजागर किया है। इसका मूल कारण अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई है। उन्होंने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और आय ध्रुवीकरण को कम करने के लिए आक्रामक सरकारी खर्च का वादा किया। हमारे पास पहले से कहीं ज़्यादा है, लेकिन धन कुछ क्षेत्रों में बहुत ज़्यादा केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में आर्थिक विकास दर में गिरावट के साथ, केवल निजी क्षेत्र की ताकत पर अर्थव्यवस्था को बनाए रखना और विकसित करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, सरकार के नेतृत्व में प्रतिभा विकास और तकनीकी अनुसंधान और विकास में व्यापक निवेश के साथ, हम अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया से संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदारी का अनुरोध किया

**ब्रातीस्लावा, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में अपने सहयोग को मजबूत करने के महत्वपूर्ण अवसर हैं।

दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं मुर्मू ने स्लोवाकिया के अपने समकक्ष राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ चर्चा में स्लोवाकिया को एक से चार मई तक मुंबई में भारत द्वारा आयोजित आगामी 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। भारत के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।'' पेलेग्रिनी ने शाम में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

**चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की, कहा- अमेरिका जाने से पहले सोच लें : बीजिंग , एजेंसी।** चीन ने अमेरिका की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को एक ट्रैवल एजवाइजरी में चीनी नागरिकों से कहा कि वे अमेरिका जाने से पहले वहां के हालात का पूरा आकलन करें। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में सुरक्षा की स्थिति और चीन-अमेरिका के बिगड़ते व्यापारिक रिश्तों के कारण यात्रा जोखिम भरी हो सकती है। इसके अलावा चीन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए एक अलग चेतावनी जारी की है। इसमें छात्रों को अमेरिका जाने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि उन्हें वहां वीजा, कागजी कार्रवाई, या कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### रत्नकलाकारों की सामूहिक हत्या का प्रयास

# अनुभा डायमंड सेल्फोस का पाउच मिलाकर रत्नकलाकारों की सामूहिक हत्या का प्रयास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपोदरा क्षेत्र स्थित अनुभा डायमंड में पीने के पानी के फिल्टर में 10 ग्राम वज़न वाला सेल्फोस का पाउच मिलाकर रत्नकलाकारों की सामूहिक हत्या का प्रयास करने की सनसनीखेज़ घटना में, पुलिस ने मैनेजर की शिकायत के आधार पर किसी अंदरूनी जानकार के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। करीब पौने नौ से साढ़े नौ बजे के बीच के पौने घंटे में 60 लोग फिल्टर से पानी लेने आए थे। पुलिस को शक है कि इन्हीं में से किसी ने यह हरकत की है। इसी संदेह के आधार पर, पुलिस ने फिल्टर के पास अंदर की ओर लगाए गए कैमरों में रिकॉर्ड हुए हावभाव और गतिविधियों की जांच शुरू की है, ताकि उस संदेही व्यक्ति की पहचान की जा सके।

इसके साथ ही, सेल्फोस दवा के पैकेट के बैच नंबर के आधार पर पुलिस उस व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश कर रही है जिसने इसे खरीदा था। पुलिस को शक है कि इस साजिश में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच के लिए चार टीमें बनाई हैं।

इस मामले में डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि जिसने भी पानी में सेल्फोस का पाउच डाला था, उसका इरादा बेहद खतरनाक था। यह सामूहिक हत्या के इरादे से किया गया कृत्य था। ऐसे लोगों की तलाश के लिए दो पुलिस इंस्पेक्टरों की अगुवाई में चार टीमें बनाई गई हैं। इसके अलावा क्राइम ब्रांच भी इस जांच में सहयोग कर रही है।

पानी का फिल्टर बाहर की लॉबी में रखा गया था। यहां CCTV कैमरा न होने के कारण पाउच डालने वाला व्यक्ति सीधे तौर पर नजर नहीं आ रहा है, लेकिन अपराध करने से पहले या बाद में अपराधियों में जो स्वाभाविक डर या सतर्कता का व्यवहार होता है, उसका अध्ययन किया जा रहा है।

साढ़े आठ बजे से पहले जिन लोगों ने पानी पिया था, उन्होंने किसी भी दुर्गंध की शिकायत नहीं की थी। लेकिन साढ़े नौ बजे निकुंज द्वारा दुर्गंध की जानकारी देने के बाद, उस पौने घंटे में जिन 60 लोगों ने पानी लिया था, उन्हें संदेह के दायरे में रखा गया है। इनमें से लगभग पांच लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

तीन रत्नकलाकार ड्डष्ट में भर्ती

फिल्टर का पानी पीने के बाद 118 रत्नकलाकारों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिनमें से 104 को किरण और डायमंड अस्पताल में, जबकि 14 अन्य मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को दोनों अस्पतालों से कुल 111 रत्नकलाकारों को छुट्टी दे दी गई है।

डायमंड अस्पताल में अनभ डायमंड के मैनेजर हरेश लश्करी का इलाज चल रहा है। उनकी रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टरों को कुछ संदेह हुआ, इसलिए फिलहाल उन्हें निगरानी में रखा गया है।

सेल्फोस की 10 ग्राम की पुड़िया अत्यंत घातक होती है, इसलिए इसे डबल पैकिंग में रखा जाता है। पहले इसे कॉटन के कागज में लपेटा जाता है और उसके ऊपर से एयरटाइट प्लास्टिक के पाउच में पैक किया जाता है। इस मामले में प्लास्टिक का पाउच ऊपर से काट दिया गया था, लेकिन कॉटन का कागज बिना फाड़े ही पानी में डाला गया था। यह कॉटन जब पूरी तरह भीग जाता है, तभी इसका रासायनिक पदार्थ पानी में घुलकर असर दिखाता है।

पुलिस अब एक और दिशा में जांच कर रही है, जिसमें सेल्फोस के पाउच किस बैच से आए थे, उसे ट्रैक किया जा रहा है। फिल्टर से जो सेल्फोस का पाउच मिला था, वह जिस बैच का था, उस बैच के कुल 24,000 पाउच का स्टॉक 21 मार्च को सूरत आया था।

''अनभ जेम्स'' नामक हीरे की फैक्ट्री में लगभग एक महीने पहले मथाला विभाग में काम करने वाले 18 से 20 वर्ष के एक काठियावाड़ी युवक का एक हिंदी भाषी युवक के साथ ''टपली मारने'' की बात को लेकर मजाक-मजाक में झगड़ा हो गया था। यह झगड़ा हाथापाई तक पहुंच गया था।

इस घटना की जानकारी जब फैक्ट्री के मैनेजर को मिली, तो उन्होंने दोनों को बुलाकर समझाया और सख्त चेतावनी दी कि आगे से झगड़ा नहीं करना है। यदि फिर से ऐसा हुआ, तो नौकरी से निकाल दिया जाएगा। अब पुलिस इस मामले को काफी गंभीरता से ले रही है। झगड़े से जुड़ी CCTV फुटेज में संदिग्ध गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए उन पर निगरानी रखी जा रही है और उनकी सूची तैयार कर आगे की जांच शुरू की गई है।

### समलैंगिक प्रेम प्रसंग का चौंकाने वाला मामला

# सात साल के प्रेम संबंध के बाद दोस्त ने की अनदेखी, 40 नींद की गोलियां,अस्पताल में भर्ती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

समलैंगिक प्रेम से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सात वर्षों से चल रहे प्रेम संबंध में जब एक मित्र ने दूसरे की उपेक्षा की, तो आहत होकर पीड़ित ने एक साथ 40 नींद की गोलियां खा लीं। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मामले को लेकर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है, और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि संबंधों में दरार आने की असली वजह क्या रही। यह घटना न केवल समाज में मौजूद संवेदनशील रिश्तों की जटिलता को उजागर करती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता पर भी सवाल उठाती है।

नवसारी में समलैंगिक प्रेम से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने सभी का ध्यान खींचा है। गणदेवी के बंधारा फलिया इलाके में रहने वाला 30 वर्षीय विजय (नाम बदला गया है) कैटरिंग का काम करता है। उसका पिछले सात वर्षों से एक पुरुष मित्र के साथ प्रेम संबंध था।

पिछले कुछ दिनों से उसके मित्र ने विजय से बातचीत बंद कर दी थी, जिससे विजय गहरे तनाव में आ गया। वह अपने मित्र से मिलने उसके घर गया और घर के बाहर खड़े होकर उसे बुलाया, लेकिन मित्र बाहर नहीं आया।

इसके बाद विजय गुस्से में आकर मोलधरा गांव के मंदिर के पास गया और वहीं पर लगभग 40 नींद की गोलियां खा लीं। उसकी मां और अन्य परिजनों ने उसे तुरंत नवसारी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उसकी तबीयत में सुधार हो रहा है।

इस बारे में विजय की भाभी ने बताया कि विजय का एक अन्य पुरुष मित्र के साथ लंबे समय से संबंध था। हाल ही में मित्र द्वारा की गई उपेक्षा के कारण वह बहुत दुखी था। इस घटना की जानकारी नवसारी ग्रामीण पुलिस थाने में जनरल डायरी के तहत दर्ज की गई है।

# हैप्पी एक्सलेंसिया की 8वीं मंज़िल पर लगी आग 11वीं मंज़िल तक पहुँची

### स्टीम बाथ उपकरण में शॉर्ट सर्किट से आग का अनुमान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

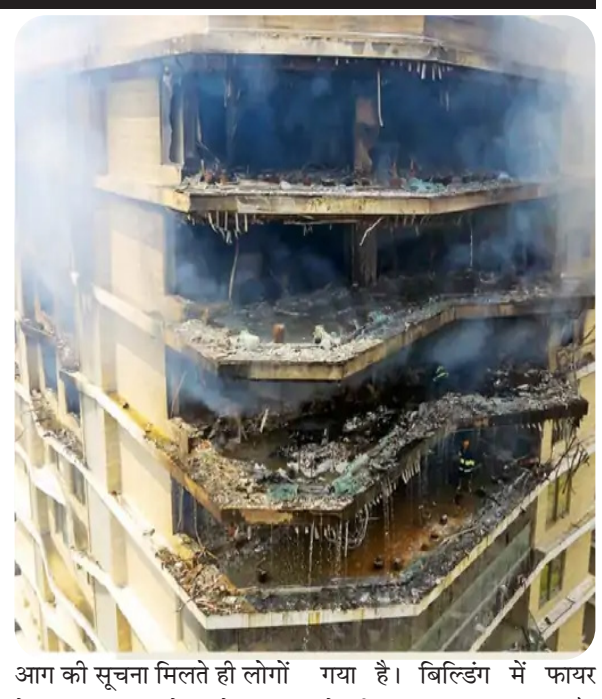

सुरत के वेसु इलाके में स्थित लग्ज़री हैप्पी एक्सलेंसिया बिल्डिंग की आठवीं मंज़िल पर अचानक आग लग गई, जो फैलकर ऊपर की तीन मंज़िलों यानी ग्यारहवीं मंज़िल तक पहुँच गई। अनुमान लगाया जा रहा है कि आठवीं मंज़िल पर स्टीम बाथ उपकरण चालू रह जाने के कारण अचानक ब्लास्ट हुआ और उसके बाद आग भड़क उठी। आग के विकराल रूप लेने से बिल्डिंग में रहने वालों के बीच अफरा-तफरी और भय का माहौल फैल गया। घटना की सूचना फायर विभाग को दी गई, जिसके बाद पाँच फायर स्टेशनों की टीम मौके पर रवाना की गई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। आग बुझाने की कार्रवाई के दौरान एक फायरमैन का हाथ जल गया।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी का घर भी इसी बिल्डिंग के सामने स्थित है, इसलिए उन्हें जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत मौके पर पहुँच गए। इस दुर्घटना में 18 लोगों को रेस्क्यू किया गया।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिल्डिंग में रहने वाले कई लोगों को यह तक नहीं पता था कि आठवीं मंज़िल पर कौन रहता है। सुबह लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे, तभी अचानक सुबह 7:15 बजे आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को खबर दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ तुरंत हैप्पी एक्सलेंसिया कैंपस में पहुँच गईं, हालांकि कैंपस की डिज़ाइन के कारण एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी को अंदर पहुँचने में थोड़ी देर लगी।

फायर अधिकारी वसंत पारीख ने बताया कि सुबह 7:56 बजे फायर विभाग को कॉल मिली थी। मान दरवाजा और वेसु की ओर से तीन दिशाओं से फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ भेजी गई थीं। वुडन फ्लोरिंग और सोफे की वजह से आग नौवीं मंज़िल तक फैल गई, जहां से वह ऊपर की मंज़िलों तक पहुँची। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है, हालांकि सही कारण जांच के बाद ही पता चलेगा। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। 18 से 20 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया है। बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय था, और शुरुआत में उसी का इस्तेमाल किया गया।

डीसीपी विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि बिजली विभाग और एफएसएल की जांच में आग के कारण का पता चलेगा। आग 802 नंबर के फ्लैट में लगी थी, जहाँ से फैलकर 902 नंबर फ्लैट तक पहुँच गई। हम अंदर जाकर पूरी जांच करेंगे कि कहीं और आग लगने की आशंका तो नहीं है। प्रारंभिक अनुमान शॉर्ट सर्किट का है।

फायर विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वेसु इलाके की हैप्पी एक्सलेंसिया रेजिडेंसी में आग लगने की सूचना मिली थी। आग की गंभीरता को देखते हुए पाँच फायर स्टेशनों की 10 गाड़ियाँ मौके पर भेजी गईं। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीमें कूलिंग प्रक्रिया में जुटी हुई हैं।

### सूरत का सस्पेंडेड AAP पार्षद जेल भेजा गया

# रंगदारी मांगने वाले राजेश मोरडिया पर दो मामले दर्ज होने के बाद पुलिस की PASA कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका में आम आदमी पार्टी से चुनाव जीतकर कॉर्पोरेटर बने और बाद में भाजपा में शामिल होने की चर्चा के बीच सस्पेंड किए गए कॉर्पोरेटर राजेश मोरडिया के खिलाफ उत्राण पुलिस स्टेशन में अलग-अलग रंगदारी (खंडणी) के मामले दर्ज किए गए थे। इसके बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कॉर्पोरेटर राजेश मोरडिया को ??? (गुजरात प्रिवेंशन ऑफ एंटी सोशल एक्टिविटीज) के तहत मेहसाणा जेल में भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोटा वराछा के सुदामा चौक स्थित गार्डन वैली रेसिडेंसी में रहने वाले रोनककुमार महेशभाई पटेल ने कॉर्पोरेटर राजेश राघवभाई मोरडिया (निवासी- कृष्णा एवेन्यू, गज्जरा कंपाउंड के सामने, मोटा वराछा) और पंकजभाई बी. पटेल (हीरानी) (निवासी- सर्वमंगल रो हाउस, कलाकुंज सोसाइटी, नाना वराछा) के खिलाफ रंगदारी की शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में उन्होंने उल्लेख किया कि अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच मोटा वराछा, भड़ियादरा फार्म के पीछे उन्होंने एक अस्थायी संरचना (टेम्पररी स्ट्रक्चर) का निर्माण किया था।

यदि आप चाहें तो मैं इसका आगे का हिस्सा भी हिंदी में अनुवाद कर सकता हूँ या पूरी रिपोर्ट को खबर के रूप में तैयार कर सकता हूँ।

राजेश मोरडिया और पंकज रोनक कुमार के पास आए थे। उस समय राजेश मोरडिया ने कहा कि वह स्स्ष्ट (सूरत महानगर पालिका) में वर्तमान कॉर्पोरेटर हैं और निगम के अधिकारियों से कहकर उनका टेम्पररी स्ट्रक्चर तुड़वा देंगे। इसी बात को लेकर उन्होंने 7 लाख रुपये की मांग की। लेकिन जब रोनक कुमार ने यह रकम देने से इनकार कर दिया, तो पंकज और राजेश ने मिलकर रोनक कुमार का गला दबा दिया। इसके बाद पंकज ने अपने पास रखा चाकू निकालकर रोनक कुमार को डराया-धमकाया और उनसे 1 लाख रुपये नकद छीन लिए। इस आधार पर पुलिस ने रोनक कुमार पटेल की शिकायत पर दोनों के खिलाफ रंगदारी (खंडणी) का मामला दर्ज किया है।

एक अन्य मामले में, पिपलोड क्षेत्र की साईं आशीष सोसायटी के सामने स्थित विशाल बंगलोज़ में रहने वाले हिरेनभाई जीनाभाई खेणी की मोटा वराछा क्षेत्र के भड़ियादरा फार्म के पीछे सर्वे नंबर 513 में ज़मीन है। वहां सूरत महानगर पालिका द्वारा उनकी जमीन तक डामर सड़क (पक्की सड़क) का निर्माण किया जा रहा था। लेकिन अगस्त 2023 से सितंबर 2023 के बीच कॉर्पोरेटर राजेश मोरडिया ने इस सड़क निर्माण कार्य को रुकवा दिया।

आरोप है कि हिरेनभाई से जबरन 50,000 रुपये वसूले गए। अंतत: हिरेनभाई की शिकायत के आधार पर उत्राण पुलिस ने राजेश मोरडिया के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। इन दोनों मामलों के दर्ज होने के बाद देर रात पुलिस ने राजेश मोरडिया को उनके घर से उठाकर हिरासत में ले लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू की।

### 4 साल तक प्रेम संबंध में रखने के बाद

# शादी नहीं करने पर प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में एक युवती ने अपने प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई है। युवती का आरोप है कि प्रेमी ने शादी का झांसा देकर उसे पिछले 4 वर्षों तक प्रेम संबंध में रखा, और इस दौरान शारीरिक संबंध भी बनाए, लेकिन बाद में शादी से इंकार कर दिया।

प्रेमी के इस धोखे से आहत होकर पीड़िता ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

### शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

# वापी युवती ने अंकलेश्वर के युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी की 21 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया है कि अंकलेश्वर का 40 वर्षीय युवक उसे शादी का आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। इस मामले में युवती ने युवक के खिलाफ वलसाड जिले के वापी टाउन पुलिस स्टेशन में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई है।

वापी टाउन पुलिस स्टेशन में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 21 वर्षीय युवती ने 40 वर्षीय युवक के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। वर्ष 2020 में एक शादी समारोह के दौरान युवती की मुलाकात अंकलेश्वर निवासी युवक से हुई थी। दोनों ने एक-दूसरे को अपना फोन नंबर दिया और नियमित बातचीत शुरू हो गई। युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर प्रेमजाल में फंसा लिया। वे अलग-अलग स्थानों पर मिलने भी लगे।

इस दौरान युवक ने शादी का आश्वासन देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाए। कुछ समय बाद जब युवती ने शादी के लिए ज़ोर दिया, तो युवक तरह-तरह के बहाने बनाकर टालता रहा। हाल ही में जब युवती ने शादी को लेकर स्पष्ट जवाब मांगा, तो युवक ने साफ तौर पर इंकार कर दिया।

बिजली कंपनी में कार्यरत इस युवक के खिलाफ युवती ने गुरुवार को वापी टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने युवती का मेडिकल परीक्षण करवाया है और उसका बयान दर्ज किया है। सोशल मीडिया पर हुई चैट समेत अन्य साक्ष्य इकट्ठा कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

### भरूच में 200 साल पुरानी जल संरक्षण की परंपरा

# पारसीवाड़ में 40 फीट गहरे भूमिगत टैंक, परिवार आठ महीने तक पीने के पानी उपयोग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भरूच के पारसीवाड़ क्षेत्र में जल संरक्षण की एक लगभग 200 साल पुरानी परंपरा आज भी जीवित है। यहां पारसी समुदाय द्वारा बनाए गए लगभग 40 फीट गहरे भूमिगत टांके (टैंक) आज भी उपयोग में लिए जाते हैं। इन टैंकों में वर्षा जल संग्रह किया जाता है और यह पानी शुद्ध होने के कारण परिवार इसे आठ महीने तक पीने और घरेलू उपयोग के लिए इस्तेमाल करते हैं।

इन भूमिगत टांकों की खासियत यह है कि यह पारंपरिक निर्माण तकनीकों से बनाए गए हैं, जिससे बारिश का पानी जमीन के नीचे एकत्र होकर लंबे समय तक सुरक्षित रहता है। आज के समय में भी जब जल संकट की स्थिति है, तब भरूच के यह पुराने जलसंचयन के उपाय एक प्रेरणा बनकर सामने आ रहे हैं। आज के समय में पानी की समस्या एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है, ऐसे में भरूच के पुराने इलाकों से एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। यहां आज भी लोग 200 साल पुराने भूमिगत टैंकों के जरिए अपने घर की पानी की जरूरतें पूरी करते हैं।